Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 08 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 201 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

यदि आप इस बात पर रोते हैं कि आपके जीवन से सूर्य चला गया है, तो आपके आंसू आपको सितारों को देखने से रोक देंगे।
– रवीन्द्रनाथ टैगोर

Amrutha Prem Bags Filmfare...

SHARE

सेंसेक्स	:	79,468.01
निफ्टी	:	24,297.50

SARAFA

सोना	:	6,520
चांदी	:	87.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मजबूत हुआ बाजार सेंसेक्स 875 अंक चढ़ा निफ्टी 24300 के पास

MUMBAI : स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को पिछले तीन दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 875 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी फिर से 24,000 अंक के स्तर को पार कर गया। दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में तेजी तथा निचले स्तर पर शेयरों की लिवाली से बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 874 .94 अंक यानी 1.11 प्रतिशत उछलकर 79,468 .01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,046 .13 अंक चढ़कर 79,639 .20 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 304 .95 अंक यानी 1 .27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,297 .50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 345 .15 अंक उछलकर 24,337 .70 अंक पर पहुंचा था।

राज्यसभा के लिए 9 राज्यों की 12 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

NEW DELHI : चुनाव आयोग ने 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव कराए जाने की घोषणा की है। इन सीटों पर 3 सितंबर को मतदान होगा और उसी दिन नतीजे आएंगे। असम, बिहार और महाराष्ट्र से दो-दो तथा हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा से एक-एक सीट के लिए मतदान होगा। इन सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू होगी और असम, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और त्रिपुरा के लिए 26 अगस्त तथा बिहार, हरियाणा, राजस्थान, तेलंगाना और ओडिशा के लिए 27 अगस्त को नाम वापसी के साथ नामांकन प्रक्रिया पूरी होगी।

झारखंड में इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में तीन और लोगों की मौत

HAZARIBAG : हजारीबाग में इस्पात संयंत्र में विस्फोट होने से गंभीर रूप से घायल हुए तीन और श्रमिकों की बुधवार को मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बताया कि विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को बरही स्थित संयंत्र की 'इंडक्शन फर्नेस' इकाई में विस्फोट होने से दो श्रमिकों की मौत हो गई थी। हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'विस्फोट में कुल सात श्रमिक घायल हुए। इनमें से दो की मौत कल हुई जबकि तीन अन्य ने आज दम तोड़ दिया।' उन्होंने बताया कि हजारीबाग अस्पताल में भर्ती दो अन्य घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। बरही थाने के प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि मंगलवार को हजारीबाग में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि चार श्रमिकों को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) रेफर कर दिया गया था। चार में से एक की मंगलवार देर शाम अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पहलवान विनेश फोगाट के सुनहरे ओलंपिक सफर का दुखद अंत, प्रधानमंत्री ने बढ़ाया हौसला

सौ ग्राम वजन अधिक होने का हवाला देकर घोषित किया अयोग्य

फैसले के खिलाफ 'भारतीय कुश्ती महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू में की अपील, विपक्ष ने किया षड्यंत्र का दावा, खेल मंत्री ने दिया जवाब

AGENCY PARIS

सेमीफाइनल जीतने के बाद विनेश ने कहा था , 'कल बड़ा दिन है , कल बात करूंगी।' लेकिन किसे पता था कि उनके साथ पूरे देश की उम्मीदें यूं सौ ग्राम के बोझ तले दब जायेंगी। पेरिस ओलंपिक में देश को स्वर्ण दिलाने से एक जीत की दूरी पर खड़ी विनेश फोगाट 50 किलोवर्ग के फाइनल में वजन के लिये खड़ी हुई तो उनका वजन 100 ग्राम ज्यादा निकला जिससे वह अपने कैरियर के सबसे बड़े दिन अयोग्य करार होकर ओलंपिक से बाहर हो गई। भारतीय अधिकारियों ने सौ ग्राम वजन कम करने के लिये लाख गुहार लगाई लेकिन नियम बदला नहीं जा सकता था। इससे विनेश का ओलंपिक में सुनहरा सफर यूं दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से खत्म हो गया। विनेश ने ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। सुबह तक उनका कम से कम रजत पदक पक्का लग रहा था लेकिन अब वह बिना किसी पदक के लौटेंगी। 29 वर्ष की विनेश को खेलगांव में पोली क्लीनिक ले जाया गया क्योंकि सुबह उनके शरीर में पानी की कमी हो गई थी।

विनेश फोगाट ● पीटीआई

प्रधानमंत्री ने किया पोस्ट

सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने इस मामले में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा से तफ्सील से जानकारी ली और विभिन्न विकल्पों के बारे में भी पूछा । उन्होंने विनेश की मदद के लिये इस फैसले के खिलाफ सख्त विरोध दर्ज कराने के लिये भी कहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विनेश की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'विनेश आप चैम्पियनों में चैम्पियन हो। आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिये प्रेरणास्रोत हो।' उन्होंने आगे लिखा, 'आज के झटके से दुख पहुंचा है। काश मैं शब्दों में बता पाता कि इस समय कितना मायूस हूं। लेकिन मुझे पता है कि आप फिर वापसी करोगी। चुनौतियों का डटकर सामना करना आपके स्वभाव में है। मजबूती से वापसी करो। हम सभी आपके साथ हैं।'

षड्यंत्र की आशंका : विपक्ष

NEW DELHI : विपक्षी दलों ने महिला पहलवान विनेश फोगाट के ओलंपिक स्पर्धा से अयोग्य घोषित किए जाने के पीछे षड्यंत्र की आशंका जताई और सवाल किया कि अचानक फाइनल मुकाबले से पहले उनका वजन 100 ग्राम कैसे बढ़ा तथा सरकार स्तर पर क्या किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सिर्फ 'एक्स' पर पोस्ट कर देने से काम नहीं चलेगा और देश की बेटी को न्याय मिलना चाहिए। विपक्षी दलों के सदस्यों ने संसद के दोनों सदनों से वाकआउट भी किया। विनेश फोगाट को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण बुधवार को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था।

आईओए को दिया निर्देश : मंत्री

NEW DELHI : सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेरिस ओलम्पिक में पहलवान विनेश फोगाट के प्रतियोगिता से बाहर होने के मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को जरूरी कार्रवाई के लिए कहा है। खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने विनेश फोगाट के मामले में सदन में दिये बयान में कहा कि आईओए की प्रमुख पीटी उषा पेरिस में ही हैं और प्रधानमंत्री ने उनसे खुद बात की है। मांडविया ने कहा कि विनेश का वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक पाया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में भारतीय ओलम्पिक संघ ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती संघ से कड़ा विरोध भी दर्ज कराया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ह्यहभारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी पेरिस में हैं। प्रधानमंत्री ने स्वयं उनके साथ बातचीत करके उचित कार्रवाई के लिए उन्हें कहा है।'

स्वदेश लौटीं मनु भाकर

NEW DELHI : पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को कहा कि उनकी निगाहें अभी से 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर लगी हुई हैं और वह भविष्य में लगातार अच्छे नतीजे देने के लिए कड़ी मेहनत करती रहेंगी। मनु भाकर (22 वर्ष) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के लिए ओलंपिक इतिहास रच दिया। स्वदेश लौटी मनु ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है और इसके लिए सफर शुरू हो चुका है।

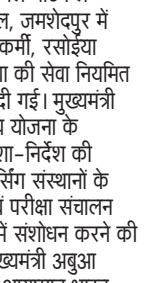

युवाओं के इंटर्नशिप के लिए पहले 20 कंपनियों को मौका

NEW DELHI:

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में युवाओं के लिए कई योजनाओं का एलान किया। इनमें से एक बड़ी स्कीम है- युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना। इसी सिलसिले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। सरकार ने अब पीएम इंटर्नशिप योजना पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत इस स्कीम को शुरू करने के लिए उद्योगों से बात करना शुरू कर दिया है।

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार ने इस योजना के लिए 500 से ज्यादा कंपनियों की सूची तैयार की है। अभी मंत्रालय ने 20 कंपनियों के साथ चर्चा की है। अन्य कंपनियों से भी चर्चा करने की तैयारी है। जैसे ही कंपनियों से चर्चा होगी

उसके बाद योजना को लेकर विस्तृत कार्ययोजना मंत्रालय द्वारा तैयार की जाएगी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर करीब 60,000 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। कुल 60,000 करोड़ रुपये में से 30,000 करोड़ रुपये राज्य सरकारें देंगी, बाकी पैसे कंपनियां सीएसआर के जरिए, खासकर उपकरण खरीदने के लिए, देंगी।

अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के उलट, कंपनियों पर इंटर्न को स्थायी नौकरी देने का कोई दबाव नहीं होगा। सरकार इंटर्नशिप भत्ते का 90 फीसदी हिस्सा देगी, बाकी 10 फीसदी कंपनियां देंगी और ट्रेनिंग का खर्च कंपनियां खुद उठाएंगी।

हेमंत सरकार ने विवि व कॉलेज के शिक्षकों-कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा

ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग पूरी

PHOTON NEWS RANCHI:

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सरकार ने विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) में पढ़ा रहे शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के साथ-साथ पदाधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना कं अंतर्गत शामिल किए जाने को अपनी स्वीकृति दे दी है।

इसके साथ ही अंशकालीन व्याख्याताओं (संप्रति आवश्यकता आधारित शिक्षक) को रखने संबंधी पूर्व के संकल्प, जिसमें एआईसीटीई द्वारा निर्धारित छात्र-शिक्षक अनुपात में अंशकालीन व्याख्याताओं को रखने संबंधी प्रावधान के आलोक में राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में पर्याप्त सृजित पदों के अभाव में पूर्व से रखे गए स्वीकृत पद से अतिरिक्त कार्यरत आवश्यकता आधारित (नीडबेस्ड) शिक्षक के मानदेय भुगतान की घटनोत्तर स्वीकृति तथा फूड टेक्नोलॉजी शाखा एवं आर्किटेक्चर असिस्टेंटशिप शाखा में शिक्षकों का पद स्वीकृत नहीं रहने की स्थिति में पूर्व से नामांकित छात्रों के पठन-पाठन के लिए दोनों शाखाओं में तत्कालिक व्यवस्था के तहत आवश्यकतानुसार 5-5 आवश्यकता आधारित शिक्षकों को रखने की स्वीकृति दी गई।

सरकार ने जनता को एक और बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार द्वारा संचालित एयर एंबुलेंस सेवा की वर्तमान दरों में कटौती पर स्वीकृति दी गई। झारखंड वरीय न्यायिक सेवा (भर्ती, नियुक्ति एवं सेवाशर्तें) नियमावली-2001 के नियम 4 (ए) में उल्लेखित प्रावधान तथा झारखंड उच्च न्यायालय की अनुशंसा के आलोक में झारखंड वरीय न्यायिक सेवा में जिला न्यायाधीश के पद पर 8 अभ्यर्थियों को सीधी भर्ती को हरी झंडी दी गई।

सरायकेला व गढ़वा में सहायक लोक अभियोजक पद स्वीकृत

राज्य के गढ़वा जिला अंतर्गत नगरउंटारी एवं सरायकेला-खरसावां अंतर्गत चांडिल में अनुमंडल अभियोजन कार्यालय का गठन करते हुए अभियोजन कार्य के संचालन के लिए अपर व सहायक लोक अभियोजकों एवं अराजपत्रित कर्मचारियों के पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

मानकी-मुंडा का बढ़ा मानदेय वन विभाग में नए पद सृजित

कैबिनेट मीटिंग में मानकी, परगनैत, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम नायकी, नायकी, गोडैत, मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी (पुजारी), पड़हा राजा, ग्रामसभा का प्रधान, घटवाल एवं तावेदार को देय सम्मान राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति दी गई। वन विभाग में नए पद सृजित किए गए हैं।

चाईबासा व कोडरमा मेडिकल कॉलेज में पद सृजित

महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमशेदपुर में संविदा पर कार्यरत कर्मी, रसोईया सहायक एवं रसोईया की सेवा नियमित करने की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री अस्पताल कायाकल्प योजना के कार्यान्वयन तथा दिशा-निर्देश की स्वीकृति दी गई। नर्सिंग संस्थानों के प्रबंधन, नामांकन एवं परीक्षा संचालन नियमावली-2023 में संशोधन करने की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना एवं आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सरकारी चिकित्सा संस्थानों द्वारा उपार्जित राशि के उपयोग के दिशा-निर्देश की स्वीकृति दी गई। राज्य के कोडरमा व पश्चिमी सिंहभूम जिला में 100-100 एमबीबीएस सीट के लिए मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग मापदंड के अनुरूप शैक्षणिक संवर्ग के आवश्यक पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

नेपाल में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पांच की मौत

KATHMANDU : नेपाल में बुधवार को काठमांडू के उत्तर-पश्चिम में पर्वतीय क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार चीनी पर्यटकों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। 'माय रिपब्लिका' अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस ने नुवाकोट के शिवपुरी ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर सात में दुर्घटनास्थल से पांच शव बरामद किए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब नेपाल का 'एयर डायनेस्टी हेलीकॉप्टर 9एन-एजेडी' काठमांडू से रसुवा जा रहा था। हेलीकॉप्टर अपराह्न 1:54 बजे काठमांडू से रवाना हुआ था।

जीव रसायन वैज्ञानिक गोविंदराजन पद्मनाभन का नाम पहले विज्ञान रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया

NEW DELHI :

प्रसिद्ध जीव रसायन वैज्ञानिक गोविंदराजन पद्मनाभन का नाम पहले विज्ञान रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है।

सरकार ने विज्ञान के क्षेत्र में दिए जाने वाले इस सर्वोच्च पुरस्कार की इस साल शुरूआत की है। सरकार ने बुधवार को 33 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों की घोषणा की, जिनमें युवा वैज्ञानिकों के लिए 18 विज्ञान युवा पुरस्कार, 13 विज्ञान श्री पुरस्कार और एक विज्ञान टीम पुरस्कार शामिल है। विज्ञान टीम

पुरस्कार 'टीम चंद्रयान-3' को दिया जाएगा। सरकार ने इस साल की शुरूआत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में शोधकताओं, प्रौद्योगिकीविदों और नवोन्मेषकों के उत्कृष्ट और प्रेरक वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और नवोन्मेषी योगदान को सराहने के लिए इन पुरस्कारों की घोषणा की थी।

इन पुरस्कारों से हैं सम्मानित

गोविंदराजन पद्मनाभन भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व निदेशक थे। इससे पहले इन्हें विज्ञान और प्रौधोगिकी के लिए शांति स्वरुप भटनागर पुरस्कार 1983, पदमश्री 1991, पदमभूषण 2003, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की फैलोशिप प्राप्त किया था।

एनआईए ने आतंकी गिरोह मामले में खूंटी में छापेमारी की

NEW DELHI : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पीएलएफआई जबरन वसूली और आतंकी गिरोह मामले में झारखंड के खूंटी जिले में बुधवार को दो स्थानों पर छापे मारे।

एजेंसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार एनआईए के दलों ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे और कई डिजिटल उपकरण तथा अपराध में इस्तेमाल दस्तावेज बरामद किए।

बांग्लादेश में अशांति जारी कानून-व्यवस्था बहाल करने में जुटे प्राधिकारी

बांग्लादेश में अराजक तत्वों की ओर से क्षतिग्रस्त किए गए निर्माण

DHAKA

बांग्लादेश में छात्रों ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन स्वयंसेवकों के रूप में यातायात प्रबंधन किया। वहीं, एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य से धीरे-धीरे ड्यूटी पर लौटने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बहाल करने का आह्वान किया। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, सोमवार को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने या यातायात का प्रबंधन करने के लिए पुलिसकर्मी उपलब्ध नहीं हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) ए.के.एम. शाहीदुर रहमान को मौजूदा संकट से निपटने के लिए मंगलवार को बांग्लादेश पुलिस का शीर्ष अधिकारी नियुक्त किया गया। उन्होंने पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य से धीरे-धीरे ड्यूटी पर लौटने और सार्वजनिक सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति बहाल करने के काम में जुटने का आह्वान किया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि बांग्लादेश स्काउट्स के सदस्यों समेत छात्रों को कई स्थानों पर यातायात प्रबंधन करते हुए देखा गया। बुधवार को सुरक्षा बल में हुए ताजा फेरबदल के तहत रहमान को अब रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

विशेष उड़ान से ढाका से स्वदेश लौटे 400 लोग

NEW DELHI : एअर इंडिया और इंडिगो ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिए विशेष उड़ानें संचालित कीं, जिनके जरिये 400 से अधिक लोगों को भारत लाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि एअर इंडिया की एक विशेष उड़ान से बुधवार सुबह छह बच्चों समेत 205 लोगों को भारत लाया गया। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि बांग्लादेश से भारतीय नागरिकों को वापस लाने गए इंडिगो के विशेष विमान ने मंगलवार को ढाका से कोलकाता के लिए उड़ान भरी।

आरोप-प्रत्यारोप खरगे ने एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में संविधान की प्रस्तावना हटाने का आरोप लगाया, सरकार का खंडन

शिक्षा मंत्री बोले- किताबों में मौलिक कर्तव्य और राष्ट्रगान जुड़ा

NEW DELHI (BHASHA) :

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को सरकार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटाए जाने का आरोप लगाया और सरकार से इस मामले में स्पष्टीकरण की मांग की हालांकि, सरकार ने उनके आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो विषय उठाया उसमें कोई तथ्य नहीं हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'अभी सात कक्षाओं की किताब आई है। पहले प्रस्तावना हुआ करती थी इनमें, जिसके बारे में नेता प्रतिपक्ष जिक्र कर रहे थे। अभी तक जो नयी पाठ्य पुस्तक आयी हैं कक्षा छह की, उसमें भी प्रस्तावना है। न केवल प्रस्तावना बल्कि उसके साथ मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, राष्ट्रगान...ये भी संविधान की प्रस्तावना और उसके मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन सारे विषयों को रखा गया और वह जो विषय रख रहे थे उसमें तथ्य नहीं था।' केंद्रीय मंत्री के जवाब के बाद भी खरगे ने कहा कि कक्षा तीन और कक्षा छह की पाठ्य पुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटा दिया गया है। उनके आपत्ति जताने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संबंधित मंत्री ने सदन में बयान दिया है और वह अगर गलत होगा तो यह

संसद में विपक्ष के सवालों का जवाब देते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

विशेषाधिकार का मामला होगा। इससे पहले, खरगे ने इस मुद्दे को शून्यकाल में उठाया और अखबारों में छपी खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि एनसीईआरटी की कुछ पाठ्यपुस्तकों से संविधान की प्रस्तावना को हटा दिया गया है।

उन्होंने इसे 'बहुत महत्वपूर्ण' मुद्दा बताते हुए कहा कि प्रस्तावना हमारे संविधान की मूल आत्मा और संविधान तथा लोकतंत्र का मूलभूत आधार है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार का बदलाव देश को लोगों को स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक विचारधारा को देश के लोगों पर थोपने के लिए सरकार पाठ्यक्रम के साथ छेड़छाड़ कर रही है। उन्होंने कहा, 'एनसीईआरटी ने यह जो कदम उठाया है, ठीक नहीं है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि पाठ्यक्रमों में हुए बदलाव को लेकर एक विस्तृत तथ्य सदन के सामने रखें। इस मुद्दे पर सरकार स्पष्टीकरण दे और संविधान के बारे में अपना कदम वापस ले।

खरगे के आरोपों का जवाब देते हुए सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि जिस तरीके से विपक्ष के नेता विषय उठाया है, उससे एक ध्वनि प्रतिबिंबित करने की कोशिश की गई कि शायद संविधान की प्रस्तावना या उसके मूल धाराओं से कुछ छेड़छाड़ हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक जिम्मेदार पार्टी है और जब वह सदन में कोई मुद्दा उठाती होगी तो जिम्मेदारी से कहने का प्रयास करती होगी। उन्होंने कहा, 'विपक्ष के नेता ने कहा कि ऐसा देखने में आया है, ऐसा सुनने में आया है, ऐसा पढ़ने में आया है।' नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता को यह ध्यान में रखना चाहिए कि कभी भी अखबार की कतरनें स्रोत नहीं हुआ करती हैं। स्रोत वास्तविक टेक्सबुक होती है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलने वाली सरकार ने जितना संविधान सम्मान किया है, उतना किसी सरकार ने नहीं किया है।

BRIEF NEWS

महिला पुलिसकर्मी की मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

GODDA : जिले में एक महिला पुलिसकर्मी की आत्महत्या का मामला सामने आया है। हालांकि मामला संदेहास्पद बताया जा रहा है। महिला पुलिसकर्मी का नाम मीना मरांडी है। वो एसपी ऑफिस में पोस्टेड थी। महिला पुलिसकर्मी की लाश संदेहास्पद परिस्थिति में मिली है। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच में जुटी है। गोड्डा के एसपी कार्यालय में पदस्थापित झारखंड पुलिस की महिला पुलिसकर्मी मीना मरांडी की संदेहास्पद स्थिति में लाश मिली है। उसकी लाश उसके घर के पास ही मिली है। ड्यूटी खत्म होने के बाद वो अपने घर गई थी, उसके बाद घर से किसी काम से निकली। काफी देर तक जब नहीं लौटी तो तलाश करने के दौरान मीना मरांडी की सिकटिया स्थित आवास के समीप लाश मिली। मिली जानकारी के मुताबिक मीना मरांडी की उम्र चालीस साल थी। उसके दो पुत्री और एक पुत्र हैं। वो अपने पति के साथ सिकटिया में ही रह रही थी।

पलामू के मजदूर की रामगढ़ के तालाब में डूब कर मौत

RAMGARH : जिले के जारा टोला तालाब में डूबने से पलामू के एक मजदूर की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और मजदूर के साथी मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि मजदूर के डूबने की सूचना पर वे लोग यहां पहुंचे। जो लोग तैरना जानते थे, वे तालाब के अंदर गए और पानी में डूबे व्यक्ति की तलाश शुरू की। लेकिन बारिश के कारण तालाब में पानी अधिक था, जिसके कारण शव को खोजने में काफी परेशानी हुई। करीब 3 घंटे की खोजबीन के बाद डूबे व्यक्ति का शव तालाब से बाहर निकाला गया।

बंद कमरे में पड़ा मिला महिला का शव

HAZARIBAGH : जिले के गोरहर पुलिस ने थाना क्षेत्र के लगनवा गांव में बंद कमरे से एक महिला का शव बरामद किया है। महिला की चाकू से गला रेतकर हत्या किये जाने की आशंका जतायी जा रही है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हत्या है। धारदार हथियार से उसकी हत्या की गयी है। फिलहाल शव को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला का एक बेटा है। वह भी उसके साथ रहता था। दो दिनों से बच्चा उसके साथ था। आसपास के लोगों ने बच्चे से उसकी मां के बारे में पूछा तो उसने बताया कि मम्मी सो रही हैं। मंगलवार तक जब महिला बाहर नहीं निकली तो लोगों को संदेह हुआ। लोगों ने कमरा खोलकर देखा तो जमीन पर महिला का शव पड़ा था। फिलहाल परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जायेगी।

दिवाकर की जगह नीरज दे रहा था परीक्षा, धराया

KODERMA : जगन्नाथ जैन महाविद्यालय में बुधवार को बीए सेमेस्टर-3 परीक्षा के दौरान फर्जी परीक्षा दे रहे युवक को पकड़ा गया। युवक की पहचान नीरज कुमार, नवलशाही के रूप में हुई है। परीक्षा विभाग को सूचना मिलते ही फर्जी परीक्षा दे रहे युवक को कॉलेज के सी-5 रूम से धर दबोचा गया। बताया गया है कि पहली पारी में डिजिटल एजुकेशन विषय की परीक्षा संचालित हो रही थी। परीक्षार्थी दिवाकर कुमार साव की जगह पर फर्जी तरीके से नीरज कुमार परीक्षा देते पाया गया।

बच्चों को स्कूल ले जानेवाले वाहन सुरक्षित नहीं, इसपर किसी जिम्मेदार का नहीं जा रहा ध्यान

बोकारो में बाइक सवार को बचाने में पलटा ऑटो, 9 स्कूली बच्चे हुए घायल, एक गंभीर

PHOTON NEWS BOKARO : यह बात तो बार-बार सामने आ रही है कि बच्चों को स्कूल ले जानेवाले वाहन सुरक्षित नहीं हैं लेकिन बच्चे सुरक्षित रहें, इस ओर किसी जिम्मेदार का ध्यान नहीं जा रहा है। बोकारो में एक बार फिर बच्चों से भरे आटो के पलट जाने से नौ छात्र घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

संत जेवियर जा रहा था ऑटो कैंप दो मोड़ पर हुई दुर्घटना

यह दुर्घटना बुधवार की सुबह-सुबह बोकारो के कैंप - दो मोड़ के समीप हुई। आटो चालक 9 बच्चों को लेकर संत जेवियर स्कूल जा रहा था। कैंप दो मोड़ के पास दूसरी ओर से अचानक एक बाइक सवार सामने आ गया। ऑटो चालक ने उस बाइक सवार को बचाने का प्रयास करते हुए जोरदार ब्रेक लगाई। उस समय ऑटो भी गति में था। अचानक ब्रेक लगाने से ऑटो पलट गया और उसमें सवार सभी नौ छात्र घायल हो गए। ऑटो के पलटते ही उसमें सवार सभी नौ छात्र सड़क पर इधर-उधर गिर गए। एक दो छात्र ऑटो से दब भी गए। 11 कक्षा में पढ़नेवाला छात्र सिद्धार्थ कुमार इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ है। स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल सभी बच्चों को पास के सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सक का कहना है कि सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

हादसे में घायल छात्र को अस्पताल ले जाते स्थानीय लोग व इनसेट में रोता हुआ घायल बच्चा।

शिवशक्ति नगर के रहनेवाले छात्र सिद्धार्थ को लगी सबसे अधिक चोट

इस दुर्घटना में सबसे अधिक चोट सिद्धार्थ कुमार को लगी है। 11वीं कक्षा में पढ़नेवाला यह छात्र बोकारो चास के शिवशक्ति नगर कॉलोनी का रहनेवाला है। सिद्धार्थ के पिता संजीत कुमार जोधाडीह मोड़ में दुकान चलाते हैं जबकि मां प्रियंका गुप्ता गृहणी है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सभी बच्चों के अभिभावक अस्पताल पहुंच गए। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

केवाईसी कराने निकली थी किशोरी बस के धक्के से गई जान, रोड जाम

PHOTON NEWS DHANBAD : साइकिल लेकर बैंक के लिए निकली थी केवाईसी कराने। घर से निकलते समय उसे क्या पता था कि वह कभी लौटकर घर नहीं आएगी। शायद उसे ऊपर काल मंडरा रहा था। काल बनकर पीछे की ओर से आई बस ने प्रिया कुमारी की जिंदगी ले ली। धनबाद के मैथन इलाके में चिरकुंडा थाना क्षेत्र में रानी सती मंदिर के समीप जीटी रोड पर बस के धक्के से कालीमंडा संजय नगर निवासी संजीत मोदी उर्फ पप्पू मोदी की 15 वर्षीय पुत्री प्रिया कुमारी की मौत हो गई।

टक्कर लगने से गिरी, चढ़ गया बस का पहिया : कालीमंडा संजय नगर निवासी संजीत मोदी की 15 वर्षीय बेटी प्रिया कुमारी केवाईसी कराने के लिए साइकिल से चिरकुंडा के बैंक ऑफ इंडिया बैंक जा रही थी। उसी दौरान उसके पीछे निरसा की ओर से तेज गति से आ रही यात्री बस ने धक्का मार दिया। धक्का लगते ही प्रिया कुमारी गिर पड़ी और उसके ऊपर बस का चक्का चढ़ गया। इससे प्रिया कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सड़क जाम कर हंगामा करते आक्रोशित ग्रामीण।

दसवीं की छात्रा थी प्रिया कुमारी

प्रिया कुमारी 10वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। वह कुमारधुबी हाई स्कूल में पढ़ती थी। प्रिया की इस तरह दुर्घटना में दर्दनाक मौत की खबर फैलते ही पूरे इलाके के लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जिसने भी यह दुखभरी खबर सुनी, उसे यकीन करना मुश्किल हो रहा था। प्रिया के घर में परिवार के लोगों को भी सहसा यकीन नहीं हुआ। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। बस की चपेट में आने से प्रिया कुमारी की मौत देख बस का चालक घबरा गया। बस को चिरकुंडा में ही खड़ा कर उसका चालक भाग गया। सूचना मिलने पर दुर्घटनास्थल पहुंची पुलिस ने लोगों से पूछताछ की और दुर्घटना करनेवाली बस को जब्त कर लिया। इधर घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने कालीमंडा में दोपहर 12 बजे से सड़क जाम कर दिया। लोग मुआवजा देने और चालक को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। स्थानीय पुलिस लोगों को समझने में लगी रही।

गिरिडीह की घटना, जमीन कारोबारी के मर्डर के विरोध में सड़क जाम

लेनदेन के विवाद में हत्या कर शव को लगाया ठिकाने, 12 घंटे में पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह के जमीन कारोबारी अनिल यादव की हत्या पैसों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में की गई थी। मंगलवार को हुई इस हत्या के बाद इलाके में भड़का आक्रोश उस समय कम हुआ जब 12 घंटे के अंदर ही पुलिस ने हत्याकांड का पदार्फाश करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हत्या का आरोपी बैजू रविदास सरकारी कर्मचारी है। पुलिस ने मंगलवार को जमीन कारोबारी अनिल यादव की हत्या कर उसका शव ठिकाने लगाने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही हथियार व कार भी जब्त कर ली है। मंगलवार रात को हुए हत्याकांड बाद बुधवार की सुबह आक्रोशित लोगों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर गिरिडीह टावर चौक के पास सड़क जाम कर दिया था। मौके पर पुलिस ने जब बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी हो गई है तो लोगों ने जाम हटाया। हत्याकांड के बाद आक्रोशित लोगों ने मंगलवार को भी घटना को लेकर रात दस बजे के बाद गिरिडीह टावर चौक को जाम कर दिया था। हत्या के बाद जमीन कारोबारी अनिल यादव के शव का आनन-फानन पोस्टमार्टम कराया गया तो लोगों का आक्रोश और भी भड़क उठा। बुधवार को टावर चौक के पास सडक पर उतर आए। इस दौरान दोनों ओर से आवागमन बाधित रहा। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि जमीन कारोबारी अनिल यादव की हत्या के मुख्य आरोपित बैजू रविदास को गिरफ्तार कर लिया गया है साथ में हत्या करने में उपयोग की गई धारदार हथियार को भी बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए बैजू ने हत्या की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार है। उसने बताया कि पैसे के लेनदेन को लेकर हुए झंझट के कारण उसने अनिल यादव की हत्या कर दी।

डेड बॉडी को ठिकाने लगाने में प्रयुक्त की गई कार व हथियार भी जब्त

- सरकारी सेवक निकला हत्या का आरोपी
- मंगलवार रात दस बजे से ही रोड जाम कर बैठे थे लोग
- आनन-फानन में पोस्टमार्टम कराया तो और भी बढ़ गया लोगों का आक्रोश

सड़क पर आगजनी कर हत्या का विरोध करते आक्रोशित लोग।

मामले का पदार्फाश करने के लिए गठित की गई थी एसआइटी

हत्या की वारदात को अंजाम दिए जाने के बाद एसपी के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसआइटी का गठन किया गया था। एसआइटी ने छापेमारी शुरू कर दी थी। इस मामले में कई अहम जानकारियां मिलने के बाद पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी बैजू रविदास का को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही जिस वाहन से शव को ढोकर जिले के पीरटांड इलाके में फेंका गया था, उसे भी जब्त कर लिया। बताया जाता है कि पैसे के लेनदेन को लेकर बैजू के साथ अनिल का विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद अनिल यादव की हत्या कर दी गयी। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पैसे के लेनदेन में हुए विवाद की वजह से हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। हत्याकांड के बाद मंगलवार लगभग दोपहर तीन बजे के आसपास अनिल के शव को पीरटांड़ इलाके से बरामद किया गया था। रात आठ बजे के करीब शव की पहचान की गई। इसके बाद एसपी के निर्देश पर एसआइटी का गठन हुआ और महज 12 घंटे के भीतर आरोपी बैजू रविदास को गिरफ्तार कर लिया गया।

स्क्रू गैंग के निशाने पर पलामू, खिड़की उखाड़ कर हो रही चोरी

PLAMU : जिले में चोरों का एक स्क्रू गैंग सक्रिय है, जो घरों की खिड़की तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा है। यह गैंग उस कमरे को निशाना बना रहा है, जिसमें आभूषण और नकदी रखी जाती है। पुलिस के मुताबिक, पलामू के प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर में पिछले एक महीने में आधा दर्जन चोरियां हो चुकी हैं। सभी चोरियों में खिड़की के स्क्रू खोलकर चोरी की गई है। खिड़की तोड़कर घर में रखे सोने के आभूषण और नकदी की चोरी की गई है। यह गिरोह सात दिनों के अंतराल पर बड़ी चोरियां कर रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, स्क्रू गैंग के चोरों की तस्वीर सीसीटीवी में भी कैद हुई है, जिसके जरिए पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत कई इलाकों में छापेमारी की गई।

कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति हो रही खराब

6 महीने से सदर अस्पताल के कर्मियों को वेतन नहीं, हड़ताल की दी चेतावनी

PHOTON NEWS DHANBAD : डीएमएफटी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत लगभग 150 अनुबंध स्वास्थ्य कर्मचारियों को पिछले 6 महीने से वेतन नहीं मिला है। फरवरी के बाद से वेतन नहीं मिला है। वेतन नहीं मिलने के कारण सदर अस्पताल समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्र के अनुबंध स्वास्थ्य कर्मियों में काफी नाराजगी है। सदर अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों ने वेतन की मांग को लेकर अस्पताल प्रबंधन से मुलाकात की। और जल्द वेतन भुगतान की मांग की है। वेतन भुगतान नहीं होने पर कर्मचारियों ने हड़ताल करने की चेतावनी दी है। इधर अस्पताल के नोडल प्रभारी डॉक्टर राजकुमार सिंह ने इसकी जानकारी सिविल सर्जन डॉक्टर चंद्र भानु प्रतापन को दी है। सिविल सर्जन ने कहा है जल्द वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। कर्मचारियों ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो रही है। एक और स्कूल में बच्चों की फीस बकाया है। स्कूल प्रबंधन हर दिन फीस की मांग कर रहे हैं। बच्चों को स्कूल से निकलने की चेतावनी दे रहे हैं। तो दूसरी और अब राशन दुकानदार भी राशन देने में आनाकानी कर रहा है।

आईएएस संदीप पौंड्रिक होंगे नए इस्पात सचिव

PHOTON NEWS BOKARO : लंबे समय से प्रभार में चल रहे इस्पात सचिव के पद को अब उसका अधिकारी मिलने जा रहा है। बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी संदीप पौंड्रिक नये इस्पात सचिव होंगे। इसके साथ ही सेल की महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े कार्यों में तेजी आने की संभावना है। माना जा रहा है कि नए इस्पात सचिव के लंबे अनुभव का लाभ इस विभाग को मिल सकेगा। शीघ्र ही वे अपना नया पद संभालेंगे। आईएएस अधिकारी संदीप पौंड्रिक बिहार में उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव का महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं। संदीप पौंड्रिक 1993 बैच के बिहार कैडर आईएएस अधिकारी हैं। इन्होंने इंजीनियरिंग स्नातक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) किया हुआ है। इसके अलावा गृह मंत्रालय के तहत एनडीएमए में सलाहकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में भी अपना कार्य-दायित्व निभा चुके हैं।

- एनएन सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के बाद से प्रभार में चल रहा था यह पद
- अब सेल की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंत्रालय की स्वीकृति व अन्य कार्यों में तेजी आने की संभावना

हाथ में सरकार विरोधी नारों के साथ तख्ती लेकर लगाया 'हेमंत गद्दी छोड़ो' का नारा

भाजपा महिला मोर्चा ने सीएम के खिलाफ उठाई आवाज

PHOTON NEWS BOKARO : भाजपा महिला मोर्चा ने बुधवार को हेमंत सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। भाजपा महिला मोर्चा के निर्देश पर बोकारो जिला महिला मोर्चा ने हेमंत सोरेन सरकार में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह जोरदार प्रदर्शन बोकारो डीसी ऑफिस के पास किया गया। इस दौरान महिलाओं की संख्या सबसे अधिक देखी गई। हाथ में सरकार विरोधी नारों के साथ तख्ती लिए महिलाएं डीसी ऑफिस के मुख्य गेट से अंदर प्रवेश की और डीसी ऑफिस के पास पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। इस प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, बोकारो विधायक बिरंची नारायण समेत जिले के तमाम भाजपा के नेता मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान सभी ने हेमंत सोरेन की सरकार को उखाड़ फेंकने की बात कही। भाजपा नेताओं का कहना है कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार ने यहां के महिलाओं और युवाओं से जो वादे किए गए थे, उस पर खरा नहीं उतरी बल्कि उसके उलट महिलाओं पर अत्याचार होना शुरू हो गया। भाजपा नेताओं के मुताबिक, राज्य में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के सबसे अधिक मामले अभी तक दर्ज किए गए हैं, जिसमें बलात्कार, हत्या सहित अन्य मामले शामिल है। नेताओं ने कहा कि यह सरकार को चेतावनी देने के लिए महिलाओं ने यह प्रदर्शन किया गया। आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाएं इस सरकार के खिलाफ एकजुट होकर खड़ी होंगी और इस सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगी।

मंईयां सम्मान को बताया मंईयां परेशान योजना

लातेहार में भी भाजपा महिला मोर्चा ने हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकाली गई। मौके पर उपस्थित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने सरकार पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में पूरे देशभर में झारखंड की महिलाएं सबसे अधिक असुरक्षित हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता चेतलाल रामदास ने कहा कि आज झारखंड की महिलाएं और बेटियां घर से बाहर निकलने में भी डरती है। राज्य की जनता को झूठा आश्वासन देकर वोट लेने वाली हेमंत सोरेन की सरकार पूरे 5 वर्षों में एक भी ऐसा काम नहीं किया, जिससे जनता को फायदा हो सके। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के द्वारा एक बार फिर से लोगों को ठगने के लिए मंईयां सम्मान योजना चलाई गई है परंतु यह योजना मंईयां परेशान योजना बनकर रह गई है।

इस सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं : राजीव

वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव रंजन पांडेय ने कहा कि वर्तमान की हेमंत सोरेन सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। पूरे देश में झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां सबसे अधिक महिलाओं के साथ उत्पीड़न और दुष्कर्म की घटना होती है। भाजपा सरकार ने महिलाओं के सम्मान और उनके कल्याण के लिए एक रुपए में जमीन रजिस्ट्री की योजना आरंभ की थी। परंतु हेमंत सोरेन की सरकार ने उस योजना को रद्द कर दिया। इस रैली में भाजपा के पूर्व विधायक हरि कृष्ण सिंह, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष शीला देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, महामंत्री बंसी यादव, राजधानी यादव, कल्याणी पांडेय, राकेश दुबे, मुकेश पांडेय समेत अन्य भाजपा नेता शामिल थे।

कोडरमा में जननी सुरक्षा योजना घोटाले में बीटीटी के खिलाफ एफआईआर

KODERMA : जिले के सतगावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जननी सुरक्षा योजना में हुए घोटाले की जांच पूरी होने के बाद सतगावां थाने में बीटीटी दिनेश चौधरी के खिलाफ वित्तीय अनियमितता का मामला दर्ज किया गया है, जबकि इस मामले में शामिल लिपिक अजीत कुमार को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा इस मामले में प्रखंड के प्रभारी स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ। सत्यनारायण भकत को भी फिलहाल प्रभार से हटा दिया गया है। उनकी जगह डॉ। आशीष कुमार को सतगावां स्वास्थ्य केंद्र का प्रभार सौंपा गया है। आपको बता दें कि 21 जुलाई को इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जननी सुरक्षा योजना में घोटाले का मामला सामने आया था, जिसमें पता चला था कि संस्थागत प्रसव के बाद महिलाओं को इस योजना के तहत मिलने वाली 1400 रुपये की राशि बीटीटी दिनेश चौधरी और लिपिक अजीत कुमार ने अपनी पत्नी, बेटा, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के खाते में ट्रांसफर कर ली थी। ऐसा कर उन्होंने करीब 14 लाख रुपये का गबन कर लिया था। घोटाले की जांच पूरी होने और आरोप तय होने के बाद बीटीटी दिनेश चौधरी के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज की गई और उसे कार्यमुक्त भी कर दिया गया। सिविल सर्जन डॉ। अनिल कुमार ने बताया कि बीटीटी दिनेश चौधरी इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड है।

प्लस टू उच्च विद्यालय कांडी का मामला

गढ़वा में टीचर से घूस लेते प्राचार्या को एसीबी ने दबोचा

PHOTON NEWS GARHWA : लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कोई भी क्षेत्र या विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त है? सवाल उठना लाजिमी है क्योंकि अब तो ऐसे-ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिसे सुनकर लोग चकित हो जा रहे हैं। मुंह से यही निकल रहा है, क्या? यह भी? जरा सोचिए, जिस पवित्र स्थल पर बच्चों को देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी है, जहां ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है, वह स्थान भी भ्रष्टाचार के दलदल में धंस जाए तो इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहेंगे।

20 हजार ले रही थी घूस : गढ़वा में प्लस टू उच्च विद्यालय कांडी की प्राचार्य विद्यायनी बाखला को बुधवार को दिन के पौने बारह बजे 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए एसीबी की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। प्राचार्य को गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम उन्हें अपने साथ पलामू ले गई। एसीबी की टीम पूरी तैयारी के साथ पलामू से ही गढ़वा पहुंची थी। प्लस टू उच्च विद्यालय कांडी को वोकेशनल कोर्स के संचालन के लिए राशि का आवंटन किया गया था। बिना प्राचार्य की अनुमति के यह राशि संबंधित विभाग या शिक्षक को मिल नहीं सकती थी। प्राचार्य की स्वीकृति आवश्यक थी। इसी स्वकृति के लिए कीमत लगाई गई थी। बताया जा रहा है कि वोकेशनल क्लास के लिए स्कूल को प्राप्त पैसे को देने के लिए स्कूल की वोकेशलन टीचर से विद्यायनी बाखला ने रिश्वत मांगी थी। इस बात की खबर एसीबी को लग गई।

- वोकेशनल कोर्स के लिए आवंटित रकम को देने के लिए मांग रही थीं पैसे

BRIEF NEWS

तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ

RANCHI : कांके रोड स्थित रांची पुलिस लाइन में बुधवार को तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ हुआ। रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे द्वारा इसका शुभारंभ किया। इस ड्यूटी मीट में एसएसपी चन्दन सिन्हा मौके पर मौजूद रहे। साथ ही संतोष सुधाकर सहायक निदेशक राज्य फिंगर प्रिंट ब्यूरो, डॉ। अमित कुमार सहायक निदेशक एफएसएल के अलावा दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के सभी जिला से आए प्रतिभागी उपस्थित हुए। इस ड्यूटी मीट में अनुसंधान की बारीकियां और अनुसंधान में वैज्ञानिक सहायता, कम्प्यूटर साक्षरता, श्वान दस्ता के दक्षता की परीक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। डीआईजी द्वारा नये बीएनएसएस के प्रावधानों का अनुपालन डीएनए के लिए साक्ष्यों का संकलन और संरक्षण, के उपयोगिता के बारे में प्रकाश डाला गया।

71 सार्जेंट की औपबंधिक वरीयता सूची जारी

RANCHI : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 71 प्रारक्ष अवर निरीक्षक (सार्जेंट) के औपबंधिक वरीयता सूची जारी की है। इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी रेंज के डीआईजी के अलावा एसीबी स्पेशल ब्रांच, रेल और झारखंड जगुआर के डीआईजी को पत्र लिखा है। पुलिस मुख्यालय ने कहा कि अपने क्षेत्र के जिला और इकाई में पदस्थापित सार्जेंट के बीच यह वरीयता सूची को प्रसारित करें, यदि वरीयता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इसे 15 दिनों के अंदर समर्पित करें। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय ने वरीयता सूची में अंकित सूचना का मिलान संबंधित कर्मी की सेवा पुस्तिका और अन्य अभिलेख से करने को कहा है। यदि किसी प्रकार की गलती है तो इसकी सूचना उपलब्ध कराने को कहा है। यदि किसी सार्जेंट का वरीयता सूची में नाम छूट गया है या प्रकाशित वरीयता सूची के अनुसार पदस्थापित नहीं हो तो, ऐसे पदाधिकारी के संबंध में सूचना अलग से उपलब्ध कराने की बात कही है, ताकि उनका नाम वरीयता सूची में शामिल किया जा सके।

जुडको में वेतन को लेकर हड़ताल, काम ठप

RANCHI : वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर जुडको के अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल पर चले गये हैं। कचहरी स्थित कार्यालय खुलते ही कार्यालय के बाहर जुडको कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन करते हुए काम न करने का फैसला लिया। कर्मियों का कहना है कि सालों से वे लोग काम कर रहे हैं, लेकिन मात्र तीन से चार प्रतिशत ही सालाना वेतन बढ़ता है। ऐसे में उनके साथ न्याय नहीं हो रहा है। सरकार से अविलंब वेतन बढ़ोतरी कराने सहित अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर उन्होंने हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है। हड़ताल में डीजीएम रैंक से नीचे के सारे अधिकारी- कर्मचारी जिसमें एपीएम, डीपीएम, प्रोजेक्ट मैनेजर इत्यादि शामिल हैं।

झारखंड ने गुजरात को 3-0 से दी मात

RANCHI : दिल्ली के तेजस फुटबॉल मैदान में जारी 63वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम का दमदार प्रदर्शन दूसरे मुकाबले में भी जारी रहा। झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात को 3-0 के अंतर से पराजित किया। झारखंड की ओर से नैना कुमारी, संजना उरांव और बबिता कुमारी ने एक-एक गोल कर झारखंड को दूसरे मुकाबले में बढ़त दिलाई। इससे पहले 6 अगस्त को हुए पहले मुकाबले में भी झारखंड की बालिका टीम ने मेजबान दिल्ली 7-0 से बड़ी शिकस्त देकर शानदार शुरूआत की थी।

भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित 75वें वन महोत्सव में शामिल हुए सीएम

झारखंड में जल, जंगल और जमीन हमेशा से रहे हैं हमारे जीने का जरिया : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन के मुताबिक झारखंड में जल- जंगल और जमीन हमेशा से ही हमारे जीने का जरिया रहा है। लेकिन, सदियों से चली आ रही ये व्यवस्था अन्धाधुन्ध विकास और शहरीकरण की दौड़ में पीछे छूटती जा रही है। आज हरे -भरे पेड़ों से आच्छादित जंगल की जगह कंक्रीट के जंगल ने ले ली है। इसका सीधा असर हमारे पर्यावरण पर पड़ रहा है। बुधवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, गढ़खटंगा, रांची में आयोजित 75वां वन महोत्सव-2024 को संबोधित करते कहा कि प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। हम अब भी नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। जरूरत इस बात की है कि पर्यावरण संरक्षण की खातिर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के अभियान का हम हिस्सा बनें। पेड़ों को बचने का संकल्प लें। सभी के सहयोग और भागीदारी से प्राकृतिक व्यवस्था को संरक्षित मानव जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं। सीएम ने इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने कहा कि आज जिस तरह से पर्यावरण संरक्षण को चुनौती मिल रही है, वह मनुष्य, जीव- जंतु और पूरी प्राकृतिक व्यवस्था के अस्तित्व पर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे में हमें तय करना है कि हम प्रकृति के साथ मिलकर अथवा प्रकृति से छेड़छाड़ कर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ें। अगर प्रकृति के साथ चलना है तो हमें अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना होगा । पेड़ों से दोस्ती करनी होगी और उन्हें बचाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे घर बनाते हैं तो उससे पहले वहां एक पेड़ जरूर लगाएं। अगर हर व्यक्ति पेड़ लगाने और पेड़ बचाने की ठान ले तो निश्चित तौर पर हम पर्यावरण को संरक्षित रख पाएंगे।

- पौधे लगाने के साथ इन्हें बचाने के लिए भी अभियान का बनें हिस्सा
- आज हरे-भरे पेड़ों से आच्छादित जंगलों की कंक्रीट के जंगलों ने ले ली जगह
- सभी के सहयोग और भागीदारी से प्राकृतिक व्यवस्था को संरक्षित और मानव जीवन को रख सकते हैं सुरक्षित

दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

एक लाभुक को परिसंपत्ति का लाभ देते सीएम।

पौधारोपण की मुहिम में अपनी भागीदारी निभाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्राकृतिक असंतुलन और पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ की वजह से बाढ़ और सुखाड़ जैसे कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। मौसम चक्र में बदलाव से कृषि प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि प्राकृतिक व्यवस्था का कम से कम नुकसान कैसे हो, इस दिशा में हम सभी आगे बढ़े। इसके लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं , ताकि प्राकृतिक व्यवस्था को जो नुकसान हो चुका है, उसकी थोड़ी सी भी भरपाई हो सके। एक ऐसा भी वक्त था, जब झारखंड जैसे प्रदेश में वन महोत्सव मनाने की कोई जरूरत नहीं थी। पूरा राज्य हरे-भरे पेड़ों से आच्छादित था। चारों तरफ जंगल ही जंगल दिखते थे। लेकिन, विकास की रफ्तार जैसे-जैसे बढ़ती गई, जंगल सिमटते चले गए और इसका सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा। यही वजह है कि आज वन महोत्सव मनाने की एक परंपरा की शुरूआत हुई, जो आज भी चली आ रही है । यह समय की भी मांग है कि हम सभी वन महोत्सव का हिस्सा बनें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की मुहिम में अपनी भागीदारी निभाएं।

पुरस्कार वितरित, कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पेड़ लगाने का अभियान सिर्फ बारिश के मौसम तक सिमट कर नहीं रहना चाहिए। जाड़ा, गर्मी और बरसात हर मौसम में उस मौसम के अनुकूल पेड़ लगाने की मुहिम चलनी चाहिए। पेड़ लगाने का सतत अभियान कभी नहीं रुकना चाहिए। सीएम ने मौके पर वनों के संवर्धन और विकास के क्षेत्र में बेहतर योगदान करने वाले वन समिति के सदस्यों को पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान आने वाले लोगों को परिसर का भ्रमण करने हेतु चार लाभुकों को बैट्री ऑपरेटेड ऑटो प्रदान किया। वन महोत्सव में कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक राजेश कच्छप, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव एवं वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के कई वरीय अधिकारी भी उपस्थित

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत पर ईडी की बहस 9 को

PHOTON NEWS RANCHI : टेंडर कमीशन मामले में जेल में बंद पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में आलमगीर आलम की ओर से कोर्ट में बहस पूरी की गई। शुक्रवार को ईडी की ओर से बहस की जाएगी। ईडी के द्वारा की गई गिरफ्तारी और कमीशन लेने के आरोप के बिंदु पर आलमगीर आलम की ओर से कोर्ट में बहस की गई। ईडी की गिरफ्तारी और कमीशन लेने के आरोप को गलत बताया गया। 19 जुलाई को याचिका दाखिल कर

आलमगीर आलम ने कोर्ट से जमानत की गुहार लगाया है। 15 मई को ईडी ने आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले समन जारी कर ईडी दफ्तर बुलाया था और 2 दिनों तक पूछताछ की थी। मामले में पूर्व मंत्री समेत 9 की अब तक गिरफ्तारी हुई है।

पूर्व मंत्री राजा पीटर ने वापस ली याचिका

RANCHI : पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में आरोपी पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने हाई कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका को वापस ले लिया है। इसमें उन्होंने मामले के इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर (अनुसंधानकर्ता) की गवाही ट्रायल के दौरान एनआईए कोर्ट में सभी गवाहों की गवाही पूरी होने से पहले करा लिए जाने को चुनौती दी थी। साथ ही अनुसंधानकर्ता की गवाही न मानने का आग्रह किया था। दरअसल, राजा पीटर की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया था कि मामले में एनआईए कोर्ट, रांची में ट्रायल चल रही है जिसमें अभियोजन की ओर से गवाहों का बयान दर्ज किया जा रहा है। ट्रायल के दौरान मामले के चीफ इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर गवाही सबसे अंत में होनी चाहिए थी।

हाईकोर्ट ने पूछा- गो जातीय पशु वध निषेध अधिनियम 2005 के तहत क्या हुई कार्रवाई

खुले में गोवंश मांस की बिक्री पर एक्शन लें एसएसपी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने रांची एसएसपी को खुले में मोहल्लों या सार्वजनिक स्थलों पर गोवंश मांस की बिक्री पर कड़ी करवाई करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने बुधवार को मौखिक कहा कि रांची में सार्वजनिक स्थलों पर गोवंश मांस की बिक्री होना दुर्भाग्यपूर्ण है। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि वे खुले में गोमांस की बिक्री होने की बात को वेरिफाई करेंगे। इससे पूर्व याचिकाकर्ता की ओर से डोरंडा के कुछ मोहल्ले में खुलेआम गोवंश मांस की बिक्री

का फोटोग्राफ प्रस्तुत किया गया था। कोर्ट ने रांची एसएसपी से पूछा है कि झारखंड गो जातीय पशु वध निषेध अधिनियम 2005 के तहत रांची में क्या कार्रवाई की गई है, इसकी जानकारी दें। इससे पहले सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रांची शहर में अवैध रूप से संचालित 70 से अधिक मीट शॉप विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई है, जिस पर कोर्ट ने मौखिक कहा कि खुलेआम रांची में गोवंश मांस की बिक्री हो रही है। इस बात को कोर्ट से छुपाया गया है। राजधानी रांची सहित राज्य में मांस विक्रेताओं द्वारा दुकान के बाहर कटे हुए बकरा एवं मुर्गियों को खुले में प्रदर्शित किए जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने मौखिक कहा कि कोर्ट के आदेश का पालन चिकन एवं मीट दुकान संचालक नहीं कर रहे हैं। ये विक्रेता काले शीशे का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। कई मीट शॉप विक्रेता बिना लाइसेंस के ही अपनी दुकान चला रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने पक्ष रखा।

वीसी को मारवाड़ी कॉलेज में हुई घटना को लेकर सौंपी लिखित शिकायत

विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों पर कार्रवाई करे आरयू प्रशासन : युवा आजसू

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को युवा आजसू का एक प्रतिनिधिमंडल युवा आजसू रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात की। विगत कुछ दिन पहले मारवाड़ी कॉलेज में घटी घटना की लिखित शिकायत सौंपी। युवा आजसू के नेता विशाल कुमार यादव ने कहा कि दिनाक 31 जुलाई को मारवाड़ी महाविद्यालय में बिजली व्यवस्था ठप होने के कारण छात्र-छात्राओं को हुई परेशानी को लेकर दिनांक 1 अगस्त को मैं मारवाड़ी

महाविद्यालय परिसर में पहुंचकर मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य को इस मामले से संबंधित घटना पर ज्ञापन सौंपने जा रहा था, तभी वहां न्यूज रिपोर्टर पहुंचे और उन्होंने परीक्षा के दौरान बिजली व्यवस्था ठप होने के मामले की छानबीन शुरू की। युवा आजसू के विशाल कुमार यादव ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी पर कार्रवाई करने की मांग की। दोषी पर कार्रवाई नहीं हुई तो युवा आजसू आंदोलन एवं धरना प्रदर्शन एवं तालाबंदी के लिए बाध्य होगी। प्रतिनिधिमंडल में दीपक दुबे, मनजीत, प्रियांशु,विशाल कुमार यादव, रोशन नायक, शुभम कुमार, कारण सिंह, अदनान अख्तर, के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में राशनकार्ड की बाध्यता समाप्त हो : सीपीएम

RANCHI : झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (एमएमएमएसवाई) राज्य की गरीब महिलाओं को कुछ आर्थिक मदद उपलब्ध कराए जाने की दिशा में बढ़ा हुआ एक ठोस कदम है। सीपीएम का राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने इस संबंध में बयान जारी करते हुए कहा कि आवास योजना और इसके बाद एमएमएमएसवाई जिसमें झारखंड की गरीब महिलाओं को केंद्र में रखकर उन्हें राहत प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सराहनीय पहल है। लेकिन एमएमएमएसवाई योजना का लाभ राज्य की महिला आबादी के केवल आधे हिस्से को ही मिल पाएगा। क्योंकि राज्य की महिला जनसंख्या में पचास प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं के पास राशनकार्ड नहीं है। हजारों महिलाओं ने राशनकार्ड में अपना नाम जोड़ने या नया राशनकार्ड बनाने के लिए बहुत पहले ही आवेदन दिया है।

मतदाता जागरूकता अभियान में नगर निकायों की भूमिका अहम : सीईओ

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के मुख्य चुनाव पदाधिकारी के। रविकुमार ने कहा है कि मतदाता जागरूकता अभियान मे राज्य के नगर निकायों अहम भूमिका है। आम लोगों की जीवन से प्रत्येक दिन नगर निकायों वास्ता पड़ता है। के। रविकुमार ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में नगर निकायों के साथ आयोजित समीक्षा दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि चार राज्यों मे विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसलिए अधिक मतदान हो इस पर फोकस करना है। नगर निकाय स्थानीय कोचिंग सेंटर, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों, रात्रि आश्रयणी और वृद्धाश्रमों में

मतदाता जारूकता अभियान चलायें। हर निजी घर, फ्लैट, अपार्टमेंट और सरकारी कालोनियों में जाकर मतदान के लिए प्रोत्साहित किया जाये। शहरी स्लम एरिया के मतदाताओं को मतदान के जागरूक करने पर विशेष बल दिया जाये। क्षेत्र में काम करने वाली बीएलओ से कार्य के दौरान आने वाली परेशानियों को पूछ कर समाधान करने का प्रावधान किया जाये। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान के प्रचार प्रसार में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। अभियान से संबंधित निकायों द्वारा किये जा रहे कार्य समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मे अवश्य आने चाहिए जिससे मतदाता अपने अधिकार और कर्तव्य को जान पायेंगे।

रांची में अवैध बालू पर कब्जे की लड़ाई, रंगदारी नहीं मिलने पर दिया घटना को अंजाम

जेसीबी समेत आधा दर्जन वाहनों को किया आग के हवाले

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी में बालू तस्करी को लेकर बालू तस्कर आपस में ही भिड़ जा रहे हैं। वहीं तस्करी के पैसे में रंगदारी नहीं मिलने पर वाहन जलाए जा रहे है। रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के छापर बालू घाट पर बालू की अवैध निकासी और उठाव से होने वाली कमाई में रंगदारी नहीं मिलने से नाराज अपराधियों ने जेसीबी सहित 6 वाहनों को आग के हवाले कर दिया। घटना मंगलवार देर रात की है।

क्या है पूरा मामला

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात दर्जनों वाहन छापर घाट पर बालू

की अवैध निकासी कर उसे ट्रकों और हाइवा में भर रहे थे। इसी दौरान आधा दर्जन बाइक पर हथियारबंद लोग आए और मजदूरों को मारपीट कर भगा दिया। सबको भगाने के बाद हथियारबंद लोगो ने मौके पर मौजूद जेसीबी, हाइवा और तीन टर्बो को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है की आगजनी की वारदात को अंजाम आलोक जी के दस्ते ने दिया है, आलोक उग्रवादी संगठन जेजेएमपी से जुड़ा हुआ है। बुढ़मू थाना प्रभारी रामजी ने बताया कि आगजनी की सूचना मिली है लेकिन वे अवकाश पर हैं।

जले ट्रक और हाइवा लेकर भागे तस्कर : चुकि बालू का उठाव गैरकानूनी तरीके से हो रहा था, इसलिए वाहन मालिक अपने जले हुए ही वाहनों को लेकर मौके से भागते दिखाई दिए। जानकारी के अनुसार जिन वाहनों में आग लगाई गई है, उनके मालिक साकेत साहू और बलराम साहू हैं। गौरतलब है कि रांची के बुढ़मू इलाके में एनजीटी की रोक के बावजूद बालू तस्कर खुलेआम बालू उत्खनन और उठाव कर रहे हैं। तस्करी के पैसे उग्रवादी और संगठित आपराधिक गिरोह तक भी पहुंच रहा है, जिसके पास पैसा नहीं पहुंच रहा है, वह अब आगजनी की वारदातों को अंजाम दे रहा है।

बुढ़मू थाना प्रभारी और सब-इंस्पेक्टर सस्पेंड

इस घटना के बाद बुधवार को एसएसपी चंदन सिन्हा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुढ़मू थाना प्रभारी रामजी कुमार और एक सब-इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया। साथ ही रितेश महतो को थाना प्रभारी बनाया गया है। फिलहाल, किसी उग्रवादी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्लेखनीय है कि करोड़ों की अवैध उगाही के कारण छापर बालू घाट उग्रवादियों और अपराधियों का चरम अड्डा बन गया है। आये दिन यहां कभी उग्रवादी तो कभी अपराधी वाहनों में आगजनी करते हैं। इस पर लगाम लगाना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बन गया है।

नहीं रहे जन सेवक इनामुल अंसारी, कडरू कब्रिस्तान में किया गया सुपुर्द-ए-खाक

RANCHI : जन सेवक व पूर्व जिला परिषद सदस्य इनामुल अंसारी (60 वर्ष) का निधन हो गया।

बुधवार को मिट्टी मंजिल मदरसा हुसैनिया कडरू रांची में करने के बाद नमाज ईशा 9 बजे रात नमाज जनाजा अदा की गई। इसके बाद कड़रू कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। नमाज जनाजा मदरसा हुसैनिया कड़रू के मौलाना ने पढ़ाई। ज्ञात हो कि इनामुल अंसारी जन सेवक के पद पर खूंटी में कार्यरत थे। अक्टूबर 2022 को खूंटी से ड्यूटी ऑफ होने के बाद अपने घर के लिए निकले कि उनका एक्सिडेंट खूंटी में हो गया। उनका इलाज रिम्स और विभिन्न अस्पतालों में चल रहा था। जनाजा में शामिल होने वालों में कांग्रेस नेता सह प्रख्यात समाजसेवी जलील अंसारी, प्रो. रमजान, मोहम्मद हफीज, इनामुल हक पूर्व जिला परिषद, कुद्दूस संसारी, जलील अंसारी, हाजी शमसुद्दीन व हाजी इलियास समेत

भुगतान समय पर नहीं होने से बढ़ा कर्ज

टीवीएनएल का जेबीवीएनएल पर 6000 करोड़ रुपये बकाया

PHOTON NEWS RANCHI : तेनूघाट विद्युत निगम लिमिटेड हर महीने जेबीवीएनएल को लगभग 80 करोड़ का बिजली देती है। पिछले कुछ समय से जेबीवीएनएल की ओर से टीवीएनएल को हर महीने 20 से 25 हजार भुगतान किया जा रहा है। जिससे टीवीएनएल का बकाया राशि बढ़ गया है। टीवीएनएल सूत्रों की मानें तो यह बकाया वर्तमान में 6000 करोड़ है। जेबीवीएनएल या राज्य सरकार की ओर से अगर यह राशि दे दी जाती तो टीवीएनएल का आर्थिक संकट दूर हो सकता है। बता दें टीवीएनएल के दो यूनिट से लगभग 420 मेगावाट बिजली उत्पादन होता है। प्रत्येक यूनिट से 210 मेगावाट बिजली उत्पादन किया जाता है। वहीं, टीवीएनएल राज्य का एकमात्र विद्युत उत्पादन संयंत्र है। ऐसे में बकाया भुगतान होने से टीवीएनएल कोयला खरीदने की समस्या समेत अन्य समस्याओं से उभर सकता है। पिछले दिनों टीवीएनएल मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से इस मामले में मुलाकात की थी। जिसमें इन बातों की जानकारी दी गयी थी। तेनूघाट विद्युत निगम लिमिटेड के विस्तारीकरण का मामला भी अब तक लंबित है। जबकि इसका राष्ट्रीय तय उत्पादन औसत मानक 75 फीसदी अधिक है। वर्तमान सरकार ने भी साल 2023 -24 में टीवीएनएल विस्तारीकरण को आम बजट में स्वीकृति दी थी।

टाटा स्टील यूआईएसएल कर्मी ने कार्यालय में ही लगा ली फांसी

सुसाइड नोट में लिखा अधिकारियों का नाम, बताई वजह

PHOTON NEWS JSR:
गोलमुरी थाना अंतर्गत सर्कस मैदान के पास स्थित टाटा स्टील यूआईएसएल के कार्यालय में कंपनी के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के सीनियर सेनिटरी सुपरवाइजर ओमप्रकाश साहू (56) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ओमप्रकाश का शव कार्यालय में पंखे से लटका पाया गया। कंपनी को इसकी जानकारी तब हुई, जब कंपनी के अन्य कर्मी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस और कंपनी के अन्य अधिकारियों को दी।

सूचना पाकर पुलिस और कंपनी के अधिकारियों के अलावा परिजन भी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इधर, घटनास्थल से पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद

ओमप्रकाश साहू की फाइल फोटो

किया, जिसमें मृतक ने कंपनी के सीनियर अधिकारियों को दोषी ठहराया है।

सुसाइड नोट में ओम प्रकाश ने लिखा था कि मै अपने आफिस में वर्कलोड के बोझ से काफी परेशान हूं। मुझे बारीडीह में 4 क्लस्टर एग्रिको, सिदगोड़ा, ओल्ड और न्यू बारीडीह कलोनी का बोझ दे दिया गया है। मुझसे इतना काम नहीं हो रहा था। मैंने अपने डिपार्टमेंट के चीफ तथा डॉ. आलोक सर और एरिया मैनेजर से भी बात की कि मुझे इतना अधिक वर्कलोड नहीं दिया जाए, पर कोई समाधान नहीं हुआ। मैं पिछले तीन चार माह से बहुत परेशान हूं। अपने आफिस के कलीग से इस समस्या के बारे में बात करता रहता हूं। उन लोगों ने भी कहा कि आपको अधिक वर्कलोड दिया गया है। मेरे आफिस में ओझाजी और विनोदजी ने मेरी काफी मदद की। आगे मैं इतने अधिक वर्कलोड में काम नहीं कर सकता। एरिया में एक्सट्रा काम भी बढ़ गया है, जिससे काम करने में काफी परेशानी हो रही है, इसलिए मै दुनिया से जा रहा हूं। सर मुझे माफ करें। चीफ सर से निवेदन है कि मेरी जो भी राशि हो, पत्नी को दिला दीजिएगा।

कंपनी प्रबंधन ने जताई संवेदना

इधर, टाटा स्टील यूआईएसएल प्रबंधन ने बयान जारी करते हुए घटना के प्रति संवेदना जताई है। कंपनी की ओर से बयान जारी कर बताया गया कि टीएसयूआईएसएल के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में सीनियर सेनिटरी सुपरवाइजर ओमप्रकाश साहू (56 वर्ष) के दुर्भाग्यपूर्ण निधन की सूचना देते हुए दुख हो रहा है। आज दोपहर करीब 12 बजे उनका शव उनके गोलमुरी ऑफिस के सीलिंग फैन से लटका मिला। पुलिस को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टीएसयूआईएसएल जांच एजेंसियों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है।

कदमा फायरिंग मामले में अज्ञात के खिलाफ जांच में जुटी पुलिस

JAMSHEDPUR : कदमा थाना अंतर्गत तीस्ता रोड पर मंगलवार रात टाटा स्टील कर्मी बुद्धेश्वर मुखी पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने पीड़ित के भाई बाबू मुखी के बयान पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की, पर पुलिस को कुछ भी हाथ नहीं लगा। पुलिस प्रेम प्रसंग समेत अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। इधर, बुधवार को पुलिस ने घायल बुद्धेश्वर मुखी से भी पूछताछ शुरू की। हालांकि बुद्धेश्वर ने आरोपियों को पहचानने से इंकार कर दिया। बुद्धेश्वर ने पुलिस को बताया कि वह बी शिफ्ट ड्यूटी से घर लौटा था। इसी दौरान हमला हुआ।

लगातार हो रही बारिश से बागबेड़ा में गिरे दो कच्चे घर, वज्रपात से एक घायल

JAMSHEDPUR : लगातार हो रही बारिश से बागबेड़ा के घाघीडीह पंचायत स्थित सोमाय झोपड़ी के रहने वाले रतीलाल हेंब्रम और नंदलाल तांती का कच्चा घर गिर गया। इस घटना में रतीलाल हेंब्रम की रसोई में रखे बर्तन और टेबल क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि नंदलाल के घर कुर्सी आदि क्षतिग्रस्त हुए है। रतीलाल हेंब्रम ने बताया कि वह नाश्ते की दुकान चलाकर और सब्जी बेचकर गुजारा चलाते है। सुबह अचानक दीवार गिरने से बर्तन मिट्टी के खड़े टेबल यदि पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। इधर, सोमाय झोपड़ी के ही रहने वाले सुइना हेंब्रम वज्रपात की चपेट में आकर घायल हो गए। सुइना को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों ने बताया कि घर के बाहर सुइना अपने दोस्तों के साथ खड़ा था। इसी दौरान वज्रपात की चपेट में आकर सुइना घायल हो गया।

एसी कोच में महिलाओं को शिकार बनाने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

देश भर में 37 घटनाओं में पुलिस को थी तलाश

CHAKRADHARPUR :
दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल के आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने ट्रेनों में चोरी और लूट करने वाले एक शातिर चोर को काफी दिनों के बाद दबोचा है। बताया जाता है कि चोर ने अब तक अलग-अलग राज्यों में कई ट्रेनों में 37 चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है। इस चोर के कारण आरपीएफ और जीआरपी परेशान थे। चक्रधरपुर जीआरपी थाना में थाना प्रभारी सुहैल खान ने प्रेस वार्ता कर आरोपी चोर को मीडिया के सामने पेश किया और कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। इससे इतना साफ हो गया कि ट्रेन की एसी बोगी में सफर करने वाली महिलाएं कितनी असुरक्षित हैं।

ट्रेनों में चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक का नाम रघु खोसला है, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद का रहनेवाला है। बताया जा रहा है कि रघु खोसला का निशाना ट्रेन की एसी कोच में सफर करने वाली महिलाएं होती थीं। रघु खोसला महिलाओं को ट्रेनों में अकेला सफर करते हुए देखकर उन्हें अपना शिकार बनाता था। मौके का फायदा उठाकर एसी में सफर कर रही महिला यात्री का पर्स या हैंडबैग लूटकर या चोरी कर भाग जाता था। रघु खोसला ने बीते 7 और 8 जुलाई को टाटानगर स्टेशन में हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस से ट्रेन में सफर कर रही महिला का पर्स लूटकर चेनपुलिंग कर भाग गया था। इसे लेकर यात्रियों ने रेलवे से ऑनलाइन शिकायत भी की थी।

इसके बाद फिर चोरी करने के उद्देश्य से टाटानगर पहुंचा था, जिसके बाद आरपीएफ उड़नदस्ता और टाटानगर आरपीएफ की टीम ने 6 अगस्त को तकनीक का इस्तेमाल करते हुए आरोपी को दबोच लिया। रघु खोसला ने पुलिस के सामने अपना गुनाह भी कुबूल कर लिया है। रघु खोसला ने बताया कि उसने ट्रेन में महिलाओं के कई हैंडबैग चुराए, जिसमें नकद रुपये, सोना-चांदी के जेवरात, एटीएम कार्ड आदि थे। उसने सोने के जेवरात राउरकेला के एक दुकानदार के पास भी बेचा है। पुलिस ने उससे पूछताछ कर 164 के बयान पर कोर्ट में बयान दर्ज करेगा। प्रेस वार्ता के दौरान आरपीएफ थाना प्रभारी विक्रम सिंह भी मौजूद थे।

कई राज्यों में वारदात को दे चुका अंजाम

रघु खोसला बेहद शातिर चोर है। इसने सिर्फ झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के कई राज्यों में चोरी के वारदात को अंजाम दे चुका है। इसने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़, दिल्ली आदि राज्यों में भी ट्रेनों में चोरी और लूट की है। जीआरपी ने इसके द्वारा ट्रेनों में अंजाम दिए गए 37 मामलों की जांच पड़ताल के बाद पुष्टि भी कर दी है। रघु खोसला इतना शातिर है कि उसने पुलिस से बचने के लिए एक फर्जी प्रेस आईडी कार्ड भी बनवा रखा था। जब भी उसे कोई पकड़ता था, तो वह उसे पत्रकार होने का धौंस दिखाकर बच निकलता था। रघु ने ऑफ द रिकार्ड यह भी बताया कि दूसरे राज्यों में इस चोरी में उसे कुछ खाकी वर्दी वाले भी साथ देते थे। इसके लिए वह उन्हें भी चोरी का कुछ हिस्सा देता था। बहरहाल रघु खोसला को रेलवे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस में आरोपी के पास से बरामद की सामग्री

एक बड़ा पिट्ठू बैग, एक टोपी, दो बड़ा फेसमास्क, नकद 3200 रुपये, एक मोबाइल सिम सहित एक नया सिम कार्ड व 3 सिम इंजेक्टर।

एलबीएसएम, एबीएम व वर्कर्स कॉलेज के 70 छात्र पुरी रवाना

यात्रा के लिए रवाना होते छात्र ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय के अंगीभूत करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज, गोलमुरी स्थित एबीएम कॉलेज एवं मानगो स्थित जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के भूगोल विभाग में अध्ययनरत स्नातक (यूजी) छठे सेमेस्टर के 70 छात्र बुधवार को चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए पुरी रवाना हुए। दल का नेतृत्व प्रो. ऋतु, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. सुरभि सिन्हा, डॉ. आलोक कुमार चौबे व प्रो. सोनम वर्मा कर रहे हैं। इसमें एलबीएसएम के 39, वर्कर्स के 15 एवं एबीएम के 16 विद्यार्थी शामिल हैं। बताया गया है कि भूगोल विषय में शैक्षणिक भ्रमण पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग है। इसमें छात्र कक्षा की चारदीवारी के साथ ही बाहर जाकर भौतिक स्थल पर प्रेक्षण करना भी सीखते हैं।

टाटा-पटना वंदेभारत ट्रेन का 10 से होगा ट्रायल

JAMSHEDPUR : टाटानगर स्टेशन स्थित वाशिंग लाइन नंबर एक में वंदेभारत ट्रेन के मेंटेनेंस के लिए ट्रैक्शन तार लगाने का काम शुरू हो गया है, ताकि 10 अगस्त तक चक्रधरपुर से कोच को टाटानगर वॉशिंग लाइन लाकर धुलाई और मरम्मत की जा सके। इसके बाद वंदेभारत कोच के ट्रायल की तैयारी है। टाटानगर कोचिंग डिपो के कर्मचारी हटिया से वंदे भारत के मेंटेनेंस की ट्रेनिंग लेकर लौट आए और अब दूसरे रेलकर्मी को ट्रेनिंग देंगे।

मालूम हो कि टाटानगर से 15 अगस्त तक पटना के लिए वंदे भारत चलाने की योजना है। इससे दक्षिण पूर्व जोन 22 करोड़ रुपये खर्च कर टाटानगर के वाशिंग लाइन नंबर एक को वंदेभारत ट्रेन के लिए अपग्रेड कर रहा है। रेलवे बोर्ड या दक्षिण पूर्व जोन में अभी वंदेभारत ट्रेन को झंडी दिखाने का दिन तय नहीं है।

एमबीएनएस इंस्टीट्यूट में मना मेघ-मल्हार

एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की ओर से पिछले तीन दिन से मेघ- मल्हार महोत्सव (सावन महोत्सव) का आयोजन किया जा रहा था। पहले दिन मेहंदी, दूसरे दिन पोशाक और तीसरे दिन मेघ-मल्हार महोत्सव मनाया गया। इसमें शिक्षा विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने आकर्षक नृत्य-संगीत पेश किया, तो क्विज व जैका प्रतियोगिता मे भाग लिया। महोत्सव मे मुख्य अतिथि संस्थान के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह और निदेशक अनुपा सिंह ने मंच की शोभा बढ़ाई। महोत्सव को सफल बनाने में प्राचार्या पिंकी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर दीपिका भारती, भबताराण भकत, डॉली सिंह, मिली कुमारी, मधुसूदन महतो सहित छात्र-छात्राएं सक्रिय रहे।

मंईयां योजना का फार्म भरने में सर्वर बाधा

महिलाओं को हो रही परेशानी, आवेदन जमा करने के लिए घंटों कर रहीं इंतजार

PHOTON NEWS GHATSILA:
मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर सर्वर डाउन रहने के कारण महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को धरमबहाल पंचायत सचिवालय में लगे शिविर में महिलाओं की भीड़ लगी रही। महिलाओं ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों से फार्म जमा करने के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बैठे रहना पड़ता है. एक या दो फार्म ही ऑनलाइन जमा हो सका है।

बुधवार को भी सुबह से सर्वर ठीक से काम नहीं कर रहा है। दोपहर 12 बजे तक 8 से 10 फॉर्म ऑनलाइन जमा हुआ है। फार्म जमा करने के संबंध में धरमबहाल पंचायत के मुखिया बनाव मुर्मू ने बताया कि आज सिस्टम कुछ ठीक हुआ है। ऑनलाइन फार्म जमा

शिविर में महिलाओं की लगी लाइन ● फोटोन न्यूज

करने का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव का पत्र प्राप्त हुआ है कि ऑफलाइन फार्म भी जमा लिया जाएगा, परंतु अब तक प्रखंड स्तर से किसी तरह का निर्देश नहीं मिला है। इस कारण ऑफलाइन फॉर्म नहीं लिया जा रहा है। प्रज्ञा केंद्र से आवेदन फॉर्म बेचे जाने की शिकायत पर बीडीओ युनिका शर्मा ने फोटोन न्यूज को बताया कि गलत बात है। यदि कोई इस तरह का काम कर रहा है तो जानकारी दें। प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि इसकी गंभीरता से निगरानी की जा रही है, जिसका नतीजा है कि घाटशिला प्रखंड में अब तक सबसे ज्यादा फॉर्म ऑनलाइन जमा हुआ है। आंगनबाड़ी केंद्र से फॉर्म मुफ्त दिया जा रहा है।

मंईयां सम्मान योजना 31 तक बढ़ाएं : सरयू

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को 31 अगस्त अथवा चुनावी आचारसंहिता लागू होने के दिन तक बढ़ाने की अपील की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को टैग कर किए गए ट्वीट में उन्होंने कहा कि इस योजना का आवेदन फॉर्म उन्होंने अपने स्तर पर भी छपवाया है। जिन बहनों को चाहिए वे बारीडीह ऑफिस से लें। योजना का लाभ अधिक से अधिक बहनों तक पहुंचे।

बिना तैयारी शुरू कर दी गई योजना : डॉ. कविता परमार

बागबेड़ा-कीताडीह की जिला पार्षद डॉ. कविता परमार ने झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के क्रियान्वयन में आ रही गड़बड़ी के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने चुनाव को देखते हुए हड़बड़ी में बिना तैयारी के योजना की घोषणा कर दी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ फूंका पुतला

JAMSHEDPUR : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के खिलाफ भाजपा नेता व केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति के संरक्षक अभय सिंह के नेतृत्व में बुधवार को साकची गोलचक्कर पर बांग्लादेश के सेना प्रमुख व कट्टरपंथी संगठन जमाते इस्लामी का पुतला फूंका गया। इस दौरान अभय सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में पीएम शेख हसीना का तख्तापलट करने वाले वहां के चरमपंथी एवं कट्टरपंथी संगठन भोले-भाले हिंदुओं के घर पर हमले कर रहे हैं। मंदिरों को निशाना बना रहे हैं। उनके व्यापार को लूटा जा रहा है।

कोल्हान आयुक्त ने ली मतदाता सूची पुनरीक्षण की जानकारी, दिए निर्देश

कहा- रिजेक्शन का सत्यापन अवश्य करें, वैध कारण पर ही फार्म रद्द करें

PHOTON NEWS JSR:
कोल्हान प्रमंडल के आयुक्त हरिकुमार केशरी ने बुधवार को परिसदन में मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर) 2024 की समीक्षा बैठक की, जिसमें जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। उन्होंने विधानसभावार पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अब तक जोड़े गए नए मतदाताओं, वरिष्ठ, दिव्यांग तथा विलोपित किए गए मृत मतदाताओं के नाम आदि की जानकारी ली। प्रमंडलीय आयुक्त

दिशा-निर्देश देते आयुक्त ● फोटोन न्यूज

ने प्राप्त फार्म 06, फार्म 07 एवं फार्म 08 तथा निष्पादित फार्म व रिजेक्टेड फार्म के संबंध में सभी संबंधित ईआरओ से जानकारी मांगी। उन्होंने विधानसभावार रिजेक्टेड फार्म के कारणों की जानकारी लेते हुए कहा कि फार्म रिजेक्शन का सत्यापन अवश्य करें, वैध कारण पर ही फार्म रद्द करें। वहीं, लंबित फॉर्म का निष्पादन ससमय करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी ईआरओ व एईआरओ को अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का नियमित भौतिक निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने किया चाईबासा का दौरा, जांच के बाद कहा-

पश्चिमी सिंहभूम में आदिवासियों को नहीं मिल रहा है उनका हक

PHOTON NEWS CHAIBASA:
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला के दौरे पर चाईबासा पहुंचीं। यहां उन्होंने शहर के विभिन्न जनजातीय छात्रावासों का निरीक्षण किया। सबसे पहले वह अनुसूचित जनजातीय कन्या छात्रावास पहुंचीं। वहां उन्होंने छात्रावास की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली और छात्राओं से छात्रावास की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद महिला कॉलेज के आदिवासी छात्रावास का मुआयना किया और छात्राओं से बात की। उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद टाटा कॉलेज छात्रावास का निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने समाहरणालय में जिले के सभी वरीय पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए आशा लकड़ा ने सरकारी व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि झारखंड के इतने बड़े आदिवासी बहुल जिले में आदिवासियों के उत्थान और विकास के लिए कोई भी सरकारी योजना का काम सही तरीके से नहीं चल रहा है, जो चिंता का विषय है। जनजातीय बहुल जिला होने के बाद भी यहां सभी सरकारी विभागों की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। आशा लकड़ा ने कहा कि जिले में आदिवासी बच्चों का स्कूलों में नामांकन इसलिए नहीं हो पा रहा है, क्योंकि यहां बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र ही नहीं बन पा रहा है। इसको लेकर उन्होंने सख्त निर्देश दिया है कि पहले बच्चों का नामांकन किया जाए, उसके बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। अधिकारी ड्रॉपआउट बच्चों का आंकड़ा भी आयोग के सामने पेश नहीं कर पाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि टाटा कॉलेज और आदिवासी कल्याण छात्रावास की स्थिति बहुत ही दयनीय है। दोनों छात्रावास को कंडम घोषित कर देना चाहिए। उन्होंने बताया की टाटा कॉलेज छात्रावास की छत टूटने के कगार पर है, जिसमें आज भी बच्चे खतरों के बीच रहकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। आदिवासी छात्रावास में बोरिंग तो है पर उसका भी मोटर खराब है। इस वजह से बच्चों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। यहां तक कि वहां आरओ की भी व्यवस्था नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के मामले पर उन्होंने कहा कि इतना बड़ा जिला होने के बावजूद यहां के सदर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की एक ही मशीन है, जो चिंता का विषय है।

निरीक्षण के दौरान बच्चियों से मिलतीं आशा लकड़ा ● फोटोन न्यूज

गरीबों के अनाज में की जा रही कटौती

पुलिस विभाग को आशा लकड़ा ने कहा कि जिले के सभी थानों में एसटी-एससी केस दर्ज कराया जाए। अभी सिर्फ चाईबासा मुख्यालय में ही इसकी रिपोर्ट दर्ज होती है। उन्होंने पलायन और मानव तस्करी को लेकर भी थाना और रेलवे स्टेशन में व्यवस्था करने की मांग की है, जहां बाहर काम करने जा रहे लोगों का रिकॉर्ड दस्तावेज दर्ज किया जा सके। आशा लकड़ा ने खाद्य आपूर्ति विभाग की कार्यशैली पर भी असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को सरकारी अनाज की आपूर्ति सही मात्रा में नहीं हो रही है। गरीबों के अनाज में कटौती की जा रही है। वहीं वन विभाग भी वन पट्टा बांटने का आंकड़ा नहीं बता पा रहा है। आशा लकड़ा ने इन गंभीर मामलों को अनुसूचित जनजाति आयोग दिल्ली के समक्ष रखने की बात कही है, जिसके बाद इस पर आयोग की तरफ से कार्रवाई की जाएगी।

सिंधारा पर्व पर महिलाओं ने की मस्ती, हुई प्रश्नोत्तरी

कार्यक्रम में शामिल खंडेलवाल समाज की महिलाएं ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : खंडेलवाल वैश्य महिला महासंघ ने बुधवार को सावन का सिंधारा पर्व धूमधाम से मनाया। सीतारामडेरा स्थित एक होटल में हुए कार्यक्रम में खंडेलवाल समाज की महिलाओं एवं बच्चों ने काफी उत्साह के साथ सज धज कर भाग लिया और खूब मस्ती की। महिलाओं के लिए फिल्मी एवं राजस्थानी गीतों पर नृत्य, फैंसी ड्रेस एवं प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिता हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक के रूप में अनीता अग्रवाल एवं पूजा मोदी उपस्थित थीं। मंजू खंडेलवाल के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में पन्ना देवी, गीता, रुक्मणी, रंजना, अनीता, रक्षा, सुरभि, निधि, नमिता, एनिमा, सुजाता, निक्की, संगीता, रचना, रश्मि, बरसा, प्रियंका, शशि, प्रीति खंडेलवाल आदि उपस्थित थीं।

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर भारतीय संस्कृति को अपने आप में समेटे हुए हैं। इसका वैभव, बेहतरीन शिल्प और परम आनंद का अनुभव इस मंदिर की ओर आकर्षित करता हैं। इस मंदिर का दर्शन हमें भारत की श्रेष्ठ और प्रसिद्ध कला की याद दिलाता हैं। अक्षरधाम मंदिर पर्यटकों को भारत की प्रसिद्ध कला की यात्रा पर ले जाता हैं। इसे स्वामीनारायण अक्षरधाम के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मूल्यों और मानव सभ्यता के विकास में भागीदारी का जीता जागता उदाहरण हैं- अक्षरधाम मंदिर।

अपने शिल्प सौंदर्य से मन मोह लेता हैं

अक्षरधाम

कुछ बरस पहले इस मंदिर को निर्माण शुरू हुआ तो यह सभी के लिए कौतुहल का विषय था। धीरे-धीरे इसका निर्माण होता गया और एक दिन अपने शिल्प सौंदर्य से सभी को मोहित कर लिया। प्रमुख स्वामी महाराज जी अक्षर पुरूषोतम् स्वामीनारायण संस्था, ग्यारह हजार कलाकार और हजारों स्वयंसेवकों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वामीनारायण भगवान को समर्पित यह पांरपरिक मंदिर भारतीय ऐतिहासिक कला, संस्कृति और वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है।

निकंठ बरनी अभिषेक

इस मंदिर में यह प्रार्थना पारंपरिक ढंग से दुनिया की शांति के लिए की जाती है। 151 पवित्र नदियों का पानी, झील और तालाब के पानी से अपने, परिवार और दोस्तों के लिए प्रार्थना की जाती है। मंदिर में मौजूद तीन हाल में अलग-अलग जीवन के मूल्यों को सिखाया जाता है। हाल-एक में मानव मूल्यों को फिल्म और रोबोट द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। इनमें अहिंसा, ईमानदारी, पारिवारिक सामंजस्य और आध्यात्मिकता का प्रतिरूप दिखाया जाता हैं।

हाल नंबर दो में ग्यारह साल के योगी नीलकंठ द्वारा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की अविश्वसनीय कहानियां सुनने को मिलती है। यहां भारतीय वास्तुकला और कला का बेहतरीन और कभी न भूलने वाला अनुभव होता हैं। यह हमारे त्योहारों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है। उन्हें समझने में मदद करता हैं।

हाल- तीन के कल्चरल बोट राइड में भारत के दस हजार साल की विरासतको खूबसूरती से दर्शाया गया हैं। भारत के ऋषि वैज्ञानिकों के अविष्कार और प्रयोग के बारे में जानने को मिलता है। शाम के समय यहां आप संगीतमय फव्वारे का पंद्रह मिनट का आनंद ले सकते हैं। यहां जन्म, जीवन और मृत्यु को दर्शानिक तरीके से चित्रित किया गया हैं। 60 एकड़ में फैला यहां का बगीचा मैदान और तांबे की मूर्तियां दर्शनीय हैं। यहां का लोटस गार्डन भी ध्यान आकर्षित करता हैं। अक्षरधाम मंदिर कलाकृति और खूबसूरती का बेमिसाल उदाहरण है। आप यहां सुबह 9.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक जा सकते हैं। यहां किसी भी मौसम में जाया जा सकता हैं। सोमवार को यह मंदिर बंद होता है। मोबाइल फोन ले जाना और फोटो खींचना यहां मना है।

कन्याकुमारी, जहाँ मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं।

कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रात: चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चेाई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

शानदार धरोहर है हुमायूं का मकबरा

भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाले हुमायूं को लोग आज भी उनकी राजशाही ठाठबाट से नहीं बल्कि हुमायूं के मकबरे से ज्यादा याद करते हैं। दिल्ली स्थित यह मकबरा मुगल धरोहरों में सबसे शानदार धरोहर है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला का पहला उदाहरण है। इस मकबरे के बनने के कई शताब्दी बाद इसी तर्ज पर ताजमहल का निर्माण हुआ। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की पत्नी हमीदा बानु बेगम ने अपने पति की मौत के नौ साल बाद शुरू करवाया। यह फारस की वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है। इसके आगे बने बगीचे को चहारबाग कहते हैं। यह बगीचा चार मुख्य भागों में विभाजित है जहां से लोगों का आना जाना होता है। इन रास्तों को खूबसूरत बनाने के लिए बहते पानी का रास्ता बनाया गया है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कई मुगल शासकों को इसी मकबरे में दफनाया गया था। हुमायूं के इस मकबरे को नेक्रोपोलीस (मृत शरीर से प्रेम) नाम भी दिया गया है। भारत के किसी भी शहर में मुगल शासकों और उनके रिश्तेदारों के इतनी कब्र कहीं देखने को नहीं मिलती। भारतीय उपमहाद्वीप में यह पहला ऐसा मकबरा है। हुमायूं के मकबरे का निर्माण लाल पत्थर से किया गया है। दो मंजिला यह मकबरा सफेद मार्बल के गुबंद से ढंका हुआ है, जो देखने में आकर्षक है। इस मकबरे की ऊंचाई 47 मीटर और चौड़ाई 91 मीटर है। वहां के गलियारे, खिड़की में भी फारसी वास्तुकला झलकती है। कुछ जगहों पर भारतीय शैली की भी झलक देखी जा सकती है। कुल मिलाकर यहां 150 कब्र हैं जो चारों तरफ से गार्डन से घिरी हैं। इस मकबरे के बनने के बाद ही इसका पतन शुरू हो गया था। मुगल बादशाहत जैसे-जैसे खत्म हुई उनके बनाए स्मारकों का भी पतन होना शुरू हो गया। मकबरे की आसपास बने बगीचे में लोगों ने सब्जियां उगानी शुरू कर दीं। 1857 में ब्रिटिश ने इंगलिश स्टाइल गार्डन बनाया। 1903-1909 के बीच इस बगीचे को अपनी खोयी हुई असली खूबसूरती लार्ड कर्जन से मिली। अभी कुछ साल पहले मकबरे का पुनरूद्धार होने के बाद से इसकी चमक अब देखने लायक है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर माना है। इस मकबरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए इस पर काफी काम किया गया है। इसकी शान-ओ-शौकत अब देखने लायक है। हुमायूं के मकबरे को देखने कभी भी जाया जा सकता है। दिल्ली आने पर टैक्सी या आटो से यहां आप पहुंच सकते हैं। बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क है। परिसर के बाहर पार्किंग की अच्छी व्यवस्था है। जलपान और शीतल पेय के लिए भी भटकना नहीं पड़ता। परिसर के एक किनारे इसका भी इंतजाम हैं।

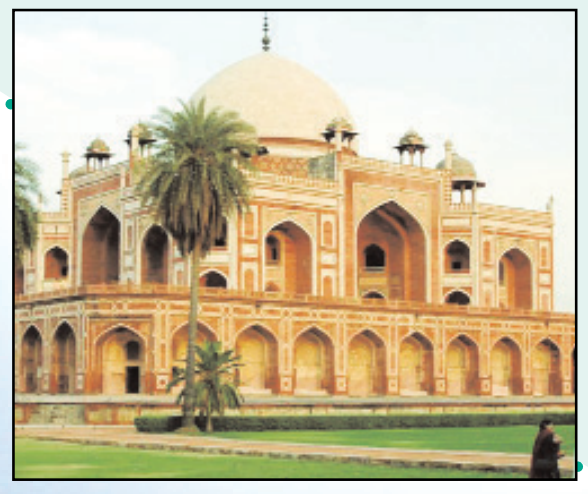

मनु भाकर क्यों बन गईं सभी खिलाड़ियों के लिए आदर्श

निशानेबाज मनु भाकर को अब सारा देश जानता है। पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहीं। उनके पेरिस ओलंपिक खेलों में अभूतपूर्व प्रदर्शन से सारा देश प्रसन्न है। मनु भाकर सिर्फ अचूक निशानची ही नहीं हैं। वो तो देश के अधिकतर खिलाड़ियों के लिए भी एक तरह से प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा पर भी हमेशा भरपूर ध्यान दिया। हरियाणा के झज्जर शहर की रहने वाली मनु भाकर ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षाओं में 90 पर्सेंट से अधिक अंक अर्जित किए। उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) से राजनीति विज्ञान में आनर्स की डिग्री भी ली। एल. एस. आर. देश का चोटी का महिला कॉलेज माना जाता है। नोबल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू ची यू ने 1964 में इसी लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। मुन भाकर का लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ना इस बात की गवाही है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पर भी हमेशा फोकस रखा। इधर बीते कुछ सालों से हमारे अपने देश के बहुत सारे नामवर खिलाड़ियों ने स्कूल के बाद आगे की पढ़ाई नहीं की। ये कोई बहुत आदर्श स्थिति नहीं मानी जा सकती। आप कितने ही बड़े खिलाड़ी क्यों न हो जाएं, पर आप बेहतर इंसान और नागरिक तो ढंग से पढ़-लिखकर ही बनते हैं। महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी, क्रिकेटर अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर उन खेलों की दुनिया के शिखर नाम रहे हैं, जिन्होंने खेल के मैदान में जौहर दिखाते हुए अपनी पढ़ाई को नजरअंजाद नहीं किया। चुन्नी गोस्वामी और अजीत वाडेकर तो स्टेट बैंक में अहम पदों पर इसलिए पहुंचे, क्योंकि ; इनके पास सही डिग्रियां थीं। सुनील गावस्कर बीते पांच दशकों से सक्रिय हैं। पहले क्रिकेटर के रूप में और बाद के दशकों में बतौर लेखक और कमेंटेटर के। उनके पास क्रिकेट की गहरी समझ के अलावा शब्दों का भंडार भी है। वैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर नौकरी तो बहुत सारे खिलाड़ियों को मिल ही जाती हैं। माफ करें, कई कथित खिलाड़ियों को जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर भी नौकरियां मिलती रही हैं। यह भी सबको पता है। सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है। आप पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के अधिकतर खिलाड़ियों को देख लें। जावेद मियांदाद, इंजमाम उल हक, शोएब अख्तर जैसे मशहूर खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में भले ही बेहतरीन प्रदर्शन किए हों, पर वे जब बोलते हैं तो सच में बहुत अफसोस होता है कि बेहतर शिक्षा ना मिलने के कारण वे अपने व्यक्तित्व निर्माण में कितना पिछड़ गए। वे इंटरव्यू देते वक्त पूरी तरह से सड़क छाप ही लगते हैं। बेशक,शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। एक सफल जीवन में सार्थक शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में आगे बढ़ता है, सही गलत में अंतर कर पाता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही है तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। मनु भाकर और दूसरे खिलाड़ियों के कोचों का दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी दें। मनु भाकर के अलावा भी हमारे यहां बहुत सारे खिलाड़ी साबित करते रहे हैं कि खेलों में सफलता के साथ-साथ पढ़ाई करना भी संभव है। यह सच है कि पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए बहुत समर्पण और मेहनत चाहिए। इसके अलावा, व्यक्ति को अपने खेल के शिखर पर पहुंचने के लिए बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है। तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बीच, अधिकांश एथलीटों के लिए पढ़ाई पीछे छूट जाती है। पर इस तरह के खिलाड़ियों की भी कोई कमी नहीं है, जिन्होंने अपने खेल और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाया और दोनों क्षेत्रों में कामयाबी हासिल की है। ये व्यक्ति बौद्धिक और शारीरिक शक्ति का शानदार उदाहरण हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के हाल तक कोच रहे राहुल द्रविड़ को दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी प्रारूपों में 23,000 से अधिक रन हैं। राहुल द्रविड़ ने कॉमर्स में स्नातक की डिग्री भी हासिल की है, जिसे उन्होंने बेंगलुरू के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्राप्त किया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने से पहले, वह एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे। कर्नाटक और भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथी अनिल कुंबले ने सभी प्रारूपों में 900 से अधिक विकेट लिए हैं और टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच भी रहे हैं। उनके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है। अब शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बात कर लेते हैं। विश्वनाथन आनंद पहले भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं। वह पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन हैं और उन्हें शतरंज के सार्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जा सकता है। शतरंज के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों ने उनकी शिक्षा को बाधित नहीं किया।

सोशल मीडिया पर स्क्रॉल होती युवाओं की जिंदगी

ANALYSIS

डॉ. सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया के माध्यम से जांच करना और स्क्रॉल करना पिछले एक दशक में तेजी से लोकप्रिय गतिविधि बन गया है। अधिकांश लोगों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग सोशल नेटवर्किंग साइटों के आदी हो जाने से हो रहा हैं। वास्तव में, सोशल मीडिया की लत एक व्यवहारिक लत है जिस में सोशल मीडिया के बारे में अत्यधिक चिंतित होने की विशेषता है, जो सोशल मीडिया पर लॉग ऑन करने या उपयोग करने के लिए एक अनियंत्रित आग्रह से प्रेरित है और सोशल मीडिया के लिए इतना समय और प्रयास करते है जो अन्य महत्वपूर्ण जीवन क्षेत्रों को प्रभावित करता है। वर्तमान समय में फोन बड़े से लेकर बच्चों तक के लिए जरूरी हो गया है। बच्चों के स्कूल की पढ़ाई भी ऑनलाइन हुई है। ऐसे में बच्चे फोन पर ज्यादा समय बताते है। फोन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से बच्चों को सोशल मीडिया की लत भी लग रही है।

अगर आप समाज से अलग-थलग महसूस करते हैं, और सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स पर ज्यादा समय बिताते हैं तो एक नए शोध के अनुसार, इससे स्थिति और बिगड़ सकती है। सोशल मीडिया से युवाओं में अवसाद बढ़ रहा है। फेसबुक से डिप्रेशन का खतरा 7 प्रतिशत बढ़ा है, फेसबुक से चिड़चिड़ापन का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया ने मोटापा, अनिद्रा और आलस्य की समस्या बढ़ा दी है, 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। स्टडी के मुताबिक सोशल मीडिया से सुसाइड रेट बढ़े है। इंस्टाग्राम से लड़कियों में हीन भावना आ रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से जांच करना और स्क्रॉल करना पिछले एक दशक में तेजी से लोकप्रिय गतिविधि बन गया है। अधिकांश लोगों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग सोशल नेटवर्किंग साइटों के आदी हो जाने से हो रहा हैं। वास्तव में, सोशल मीडिया की लत एक व्यवहारिक लत है जिस में सोशल मीडिया के बारे में अत्यधिक चिंतित होने की विशेषता है, जो सोशल मीडिया पर लॉग ऑन करने या उपयोग करने के लिए एक अनियंत्रित आग्रह से प्रेरित है और सोशल मीडिया के लिए इतना समय और प्रयास करते है जो अन्य महत्वपूर्ण जीवन क्षेत्रों को प्रभावित करता है। वर्तमान समय में फोन बड़े से लेकर बच्चों तक के लिए जरूरी हो गया है। बच्चों के स्कूल की पढ़ाई भी ऑनलाइन हुई है। ऐसे में बच्चे फोन पर ज्यादा समय बताते है। फोन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से बच्चों को सोशल मीडिया की लत भी लग रही है। सोशल मीडिया पर लत की वजह से

बच्चों की नींद पर असर पड़ रहा है। नजर भी कमजोर हो जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट में ये साफ हुआ है कि अगर कोई बच्चा एक हफ्ते तक लगातार सोशल मीडिया का प्रयोग करते है, तो वह एक रात तक की नींद भी खो सकते हैं। अकसर बच्चों के साथ ये होता है कि जब वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके सोते है, तो आंखें बंद करने के बाद भी उनके दिमाग में वह चीजें चलती रहती है, जो वो देखकर सोए है। सोशल मीडिया की लत एक व्यवहार संबंधी विकार है जिसमें किशोर या युवा वयस्क सोशल मीडिया से मोहित हो जाते हैं और स्पष्ट नकारात्मक परिणामों और गंभीर कमियों के बावजूद ऑनलाइन मीडिया को कम करने या बंद करने में असमर्थ होते हैं। जबकि कई किशोर दैनिक आधार पर (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यू-ट्यूब, वाइन, स्नैपचैट और वीडियो गेम सहित) ऑनलाइन मीडिया के किसी न किसी रूप में संलग्न होते हैं, किशोर सोशल मीडिया की लत अत्यधिक खतरनाक है, एक बढ़ती हुई अच्छा महसूस करने के तरीके के रूप में सोशल मीडिया पर निर्भरता, और दोस्ती में नुकसान, शारीरिक सामाजिक जुड़ाव में कमी और स्कूल में नकारात्मक प्रभाव के बावजूद इस व्यवहार को रोकने में असमर्थता चिंता का विषय बन गई है। दुनिया में हर पांचवां युवा यानी लगभग 19 फीसद युवाओं ने साल भर के भीतर किसी न किसी तरह के खेल में पैसा लगाया है। इसमें वे ज्यादातर बार ऑनलाइन सट्टेबाजी का शिकार हुए है। आज के समय में सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा उपयोग से युवा वर्ग में न सिर्फ आत्मविश्वास कम हो रहा है बल्कि अकेलेपन का भी आभास बढ़ रहा है। यही कारण है कि हताशा और चिंता भी बढ़ती है। पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर वैसे तो सभी वर्गों की सक्रियता बढ़ी है, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है। यहां तक की आत्महत्या का ख्याल भी युवाओं में बढ़ रही है। लंबे समय तक सोशल मीडिया पर बने रहने के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो रहा है। ऐसे मामलों में 15 से 45 वर्ष आयु के केस अधिक सामने आ रहे हैं। जिसके कारण नींद की कमी के साथ-साथ कार्य की क्षमता भी प्रभावित होती है। आज का दौर मोबाइल, लैपटॉप जैसे गैजेट्स के बगैर अधूरा है। ऐसे में आप अपनी मानसिक सेहत का ध्यान रखकर और कुछ उपायों को अपनाकर सोशल मीडिया के एडिक्शन से बच सकते है। हम में से ज्यादातर लोग आज सोशल मीडिया के आदी हैं। चाहे आप इसका इस्तेमाल दोस्तों और रिश्तेदारों से जुड़ने के लिए करें या वीडियो देखने के लिए, सोशल मीडिया हम में से हर एक के लिए जाना-पहचाना तरीका है। प्रौद्योगिकी और स्मार्ट उपकरणों के प्रभुत्व वाली दुनिया में नेटफ्लिक्स को बिंग करना या फेसबुक पर स्क्रॉल करना, इन दिनों मिनटों और घंटों को खोना बहुत आम है। ये वेबसाइट और ऐप हमारा ज्यादातर समय खा रहे हैं, इतना कि यह अब एक लत में बदल गया है। सोशल मीडिया की लत जल्दी से उस कीमती समय को खा सकती है जो कौशल विकसित करने, प्रियजनों के साथ समय का आनंद लेने या बाहरी दुनिया की खोज में खर्च किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि यह मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों जैसे कम आत्मसम्मान, अकेलेपन की भावना, अवसाद और चिंता का कारण बन सकता है। सप्ताह में कम से कम एक या दो बार, सोशल मीडिया फ्री दिवस मनाएं। यह शनिवार/रविवार को हो सकता है या जो भी दिन आपको लगता है कि आपके लिए उपयुक्त है। समय के साथ, हमें अपनी स्क्रीन पर दिखने वाले छोटे-छोटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप या फेसबुक आइकन की आदत हो जाती है। नया क्या है यह देखने के लिए नियमित रूप से अपने फोन की जांच करना हमारी आदत बन गई है। आप अपने सोशल मीडिया के उपयोग को कम करने के लिए दिन में एक बार अपने नोटिफिकेशन देख सकते हैं। सोशल मीडिया के लिए अपनी आवश्यकता पर विचार करें क्योंकि कभी-कभी सोशल मीडिया की लत हमारे ध्यान या दूसरों के साथ संबंध की आवश्यकता के कारण हो सकती है। इस पर अपने विचार लिखने के लिए कुछ समय व्यतीत करें और इस पर काम करने का प्रयास करें कि आप अपने उपयोग को कैसे कम कर सकते हैं। किशोर सोशल मीडिया व्यसन उपचार का पहला और सबसे प्राथमिक कार्य किशोरों द्वारा सोशल मीडिया पर बिताए जाने वाले समय को कम करना है। किशोरों द्वारा ऑनलाइन बातचीत करने में लगने वाले समय को सीमित करके, हम उन्हें अपने साथियों के साथ वास्तविक सामाजिक संपर्क को प्राथमिकता देने में मदद करते हैं। यह न केवल स्वस्थ है, बल्कि इस तरह, वे स्वयं की बेहतर समझ विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं। हम जानते हैं कि सोशल मीडिया की लत से जूझ रहे किशोरों के लिए ताजी हवा में अधिक समय बिताना महत्वपूर्ण है। सोचिये, हमारे आस-पास समुद्र तटों से लेकर पार्कों और लंबी पैदल यात्रा मार्गों तक, सुंदर प्राकृतिक स्थल क्यों बनाए गए हैं।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

आइए, हथकरघा के पुनरुत्थान का जश्न मनाएं

हम सात अगस्त, 2024 को 10वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मना रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत सात अगस्त, 1905 को टाउन हॉल, कोलकाता में आयोजित एक बैठक में इसी दिन हुई थी। हमारे स्वतंत्रता संग्राम के एक हिस्से के रूप में इस आंदोलन का उद्देश्य घरेलू उत्पादों और उत्पादन प्रक्रियाओं को पुनर्जीवित करना था। इस ऐतिहासिक अवसर को याद करने और हमारी हथकरघा परंपरा का जश्न मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2015 में सात अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में घोषित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य भारत के हथकरघा कामगारों को सम्मानित करना तथा हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है। हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जो 35 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है। इनमें से 25 लाख से ज्यादा महिलाएं हैं। इस प्रकार, यह क्षेत्र महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। वस्त्र मंत्रालय ने देश भर में हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। मैं आपका ध्यान 28 जुलाई 2024 को प्रधानमंत्री के ₹मन की बात₹ की ओर आकर्षित करना चाहूंगा, जिसमें उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तीकरण प्रदान करने में हथकरघा क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने नए स्टार्टअप उद्यमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जो हथकरघा उत्पादों और सस्टेनबल फैशन को प्रोत्साहित करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से स्थानीय हथकरघा उत्पादों को लोकप्रिय बनाने तथा उन्हें हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करने का भी आग्रह किया। पिछले कुछ वर्षों में भारत का हथकरघा क्षेत्र निरंतरता और स्लो फैशन के प्रतीक के रूप में उभरा है। आज मैं मात्रा की अपेक्षा गुणवत्ता को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर देना चाहता हूं, क्योंकि हम हथकरघा के पुनरुत्थान का जश्न मना रहे हैं। अतः इस अवसर पर मैं भारत के लोगों से हथकरघा क्षेत्र में सतत गति बनाए रखने की अपील करता हूं। हथकरघा बुनाई एक विरासत वाली शिल्पकला है जो स्लो, निरंतर और नैतिक फैशन के सिद्धांतों को मूर्त रूप देती है। पिछले दशक में लगातार सरकारी प्रयासों से फास्ट फैशन से लेकर स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं में उल्लेखनीय बदलाव हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गर्व से भारतीय हथकरघा पर बुने हुए कपड़े पहनते हैं और विश्व स्तर पर उनको बढ़ावा भी देते हैं तथा हथकरघा क्षेत्र की सफलता में काफी हद तक उनका योगदान रहा है। अब समय आ गया है कि अधिक से अधिक लोग इस आंदोलन में शामिल हों। हथकरघा क्षेत्र सस्टेनबिलिटी को बढ़ावा देने के अलावा महिलाओं और हाशिये पर पहुंच चुके समुदायों को सशक्त बनाने, उनके लिए आर्थिक संभावनाएं प्रदान करने और अपनी शिल्पकला पर उन्हें गर्व करने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। मैं इस क्षेत्र के उत्थान में कताई, रंगाई और बुनकर के रूप में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता हूं तथा उनके अमूल्य योगदान की सराहना करता हूं। मैं देश भर के पारंपरिक समुदायों और विशेषकर महिलाओं के योगदान को पूरी तरह से मान्यता और सम्मान देता हूं, जिनके बिना हथकरघा क्षेत्र के उत्थान की कल्पना नहीं की जा सकती है। उनके योगदान को बनाए रखने और उसे बढ़ावा देने के लिए उनके साथ गरिमापूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार करना जरूरी है। इसके अलावा, हथकरघा क्षेत्र में कई महिला-नेतृत्व वाली सहकारी समितियां और स्वयं सहायता समूह भी बने हुए हैं। ये संगठन न केवल प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराते हैं, बल्कि एक सहायता नेटवर्क भी प्रदान करते हैं जो एकजुटता और सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति को बढ़ावा देता है। महिला स्वयं सहायता समूह एकजुट होकर, अपने उत्पादों की बेहतर कीमतों के लिए सौदेबाजी कर सकती हैं, बड़े बाजारों तक पहुंच बना सकती हैं तथा उचित मजदूरी और कार्य करने संबंधी उचित परिस्थितियों की भी मांग कर सकती हैं। बुनाई कौशल, डिजाइन नवाचार और एंटरप्रेन्योर क्षमताओं में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू किए गए शैक्षिक कार्यक्रम और पहलें महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाती हैं। नई तकनीकों में निपुणता प्राप्त करके और आधुनिक डिजाइनों को एक्सप्लोर करके, महिला बुनकर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाकर समकालीन बाजारों को आकर्षित कर सकती हैं जो उनके शिल्प की सस्टेनबिलिटी को सुनिश्चित करेगी। एम्ब्रॉइडरी और प्रिंटिंग द्वारा मूल्य संवर्धन के माध्यम से हथकरघा को बढ़ावा देने से पारंपरिक वस्त्रों में नई जान आती है, तथा अद्वितीय और अत्यधिक वांछनीय उत्पाद तैयार होते हैं। एम्ब्रॉइडरी, सुई के काम से जुड़ी एक जटिल कला है, जो हथकरघा कपड़ों में गहराई और विशेषता पैदा करती है। जरदोजी, कांथा या चिकनकारी जैसी विभिन्न तकनीकों को शामिल करके, कारीगर साधारण हथकरघा वस्त्रों को विस्तृत, अद्वितीय टुकड़ों में बदल देते हैं। इससे न केवल सौंदर्य अपील बढ़ती है बल्कि उत्पादों का बाजार मूल्य भी बढ़ता है, जिससे कारीगरों को बेहतर आर्थिक अवसर मिलते हैं। इन मूल्य संवर्धन तकनीकों को हथकरघा वस्त्रों के साथ संयोजित करने से ऐसे उत्पाद तैयार होते हैं जो पारंपरिक और समकालीन दोनों बाजारों को आकर्षित करते हैं। यह फ्यूजन न केवल सदियों पुराने शिल्प को संरक्षित और पुनर्जीवित करता है बल्कि हस्तनिर्मित, पर्यावरण-अनुकूल वस्त्रों के उपयोग को प्रोत्साहित करके सस्टेनबल फैशन को भी बढ़ावा देता है। हथकरघा उद्योग में प्रौद्योगिकी और नवाचार का एकीकरण बुनकरों द्वारा अनुभव की जाने वाली कठिनाई को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने और इस पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक प्रगति ने हथकरघा बुनाई से जुड़े शारीरिक श्रम को काफी हद तक कम कर दिया है, जिससे यह प्रक्रिया अधिक इफिशिएन्ट और अपेक्षाकृत कम श्रम वाली हो गई है।

Social Media Corner

सच के हक में...

विनेश, आप चैंपियनों में चैंपियन हैं! आप भारत का गौरव हैं और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज का झटका दुख देता है। काश शब्द उस निराशा की भावना को व्यक्त कर पाते जो मैं अनुभव कर रहा हूँ। साथ ही, मैं जानता हूं कि आप लचीलेपन का प्रतीक हैं। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। मजबूत होकर वापस आओ! हम सब आपके पक्ष में हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

विश्वविजेता पहलवानों को हरा कर फाइनल में पहुंची भारत की शान विनेश फोगाट का तकनीकी आधार पर अयोग्य घोषित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें पूरी उम्मीद है कि भारतीय ओलंपिक संघ इस निर्णय को मजबूती से चैलेंज कर देश की बेटी को न्याय दिलाएगा। विनेश हिम्मत हारने वालों में से नहीं हैं, हमें पूरा भरोसा है कि वह अखाड़े में और अधिक मजबूती से वापसी करेंगी। आपने हमेशा देश को गौरवान्वित किया है विनेश। आज भी पूरा देश आपकी ताकत बनकर आपके साथ खड़ा है।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

योगी के तंज में छुपी भविष्य की राजनीति

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बारिश के दौरान मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर सड़क पर भरा पानी उछालने और महिला को खींचकर गिराने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। इसकी गूंज विधानसभा तक में सुनाई दी। मुख्यमंत्री ने सदन में दो आरोपितों का नाम लिया, जिस पर जमकर राजनीति भी हो रही है। योगी ने जिन आरोपितों का नाम लिया उनमें एक मुस्लिम और एक यादव था, जिसका मकसद मुख्य विपक्षी दल सपा पर निशाना साधना था। योगी ने तंज भरे अंदाज में कहा, "यह सद्भावना वाले लोग हैं? यानी अब इनके लिए सद्भावना ट्रेन चलाएंगे? नहीं इनके लिए बुलेट ट्रेन चलेगी।" सभी आरोपितों के नाम सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री योगी को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्षी दलों का कहना है कि अपराधियों की न जाति होती है और न धर्म लेकिन योगी आदित्यनाथ ने सदन में उनकी धार्मिक और जातीय पहचान को रेखांकित किया जो निंदनीय है। सनद है कि मुस्लिम-यादव (एमवाई) फॉमूर्ले के सहारे समाजवादी पार्टी लंबे समय से सूबे में अपनी राजनीति कायम रखे हुए है। माना जाता है कि समाजवादी पार्टी का मुस्लिम और यादव पारंपरिक वोटर हैं। इसी समीकरण के सहारे समाजवादी पार्टी यूपी में चार बार सरकार बना चुकी है। सपा ने एमवाई डी यानी दलित व दूसरी जातियों पर फोकस किया तो वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उसकी सीटें 47 से बढ़कर 111 हो गईं। मतदान प्रतिशत भी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। उत्तर प्रदेश की आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत है और 2022 के चुनाव में सपा को उनका पूरा समर्थन 2017 के चुनाव की तुलना में इसके टैली में सुधार का एक महत्वपूर्ण कारक था। पिछले कुछ चुनावों में गैर-यादव ओबीसी के वोटों ने भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनुमान के अनुसार, ओबीसी उत्तर प्रदेश की आबादी का लगभग 40-50 प्रतिशत हिस्सा हैं। यादव राज्य की आबादी का लगभग 8-10 प्रतिशत हिस्सा हैं। इसलिए अखिलेश को अपनी पार्टी के आधार को अपने पारंपरिक मुख्य समर्थकों, यादवों से आगे बढ़ाकर अन्य ओबीसी समुदायों को भी शामिल करने की आवश्यकता थी। प्रदेश में दलितों की भी अच्छी खासी आबादी है, जो करीब 20 प्रतिशत है और परंपरागत रूप से बसपा के वफादार रहे हैं। अखिलेश दलितों के एक वर्ग तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, जो लंबे समय से पार्टी की गिरावट से हतोत्साहित हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) को साथ लेकर चुनाव मैदान में उतरे। अखिलेश को लगा कि अल्पसंख्यक के नाम पर भाजपा मुसलमानों की आड़ में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर सकती है। फिर उन्होंने पीडीए के 'ए' को कभी अगड़ा बताया तो कभी आधी आबादी मतलब महिलाएं। इसी फामूर्ले पर अखिलेश यादव ने टिकट बांटे। इस बार एमवाई वाले सालों पुराने सामाजिक समीकरण को तिलांजलि दे दी गई। मुस्लिम और यादव तो हर हाल में समाजवादी पार्टी के साथ रहेंगे। इस सोच के आधार पर अखिलेश यादव ने इस बार के चुनाव में अपनी रणनीति बदल ली। जिसका फायदा पार्टी को मिला और सपा ने ऐतिहासिक 37 सीटों पर जीत दर्ज की। राजनीतिक विशलेषक केपी त्रिपाठी के अनुसार, आज भले ही अखिलेश पीडीए का राग अलाप रहे हैं। लेकिन उनकी मजबूती का आधार एमवाई समीकरण ही है। इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने हुडदंगियों का नाम लेते हुए यादव और मुस्लिम का नाम लिया। योगी ने सपा के कोर वोट बैंक पर सीधा प्रहार किया है।" त्रिपाठी कहते हैं कि, "योगी आदित्यनाथ और भाजपा सपा पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाती रहती है।

पड़ोस से सबक

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले बांग्लादेश के विषय पर जिस तरह सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं की भी प्रशंसा करनी चाहिए कि सभी ने बैठक में भाग लिया और अपनी-अपनी बात रखी। किसी भी विवादित विषय पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वसम्मति बनाने की चेष्टा सजीव लोकतंत्र का वही गुण है, जिसका अभाव बांग्लादेश में अक्सर उभरता रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति में कतई नहीं फंसना चाहिए, जहां सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। वाकई अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी सीमाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब ऐसी नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि कम से कम खूनखराबा न हो। बहुत अफसोस की बात है कि शेख हसीना के देश से पलायन के बावजूद वहां हिंसा थमी नहीं है और कथित रूप से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि वहां छात्रों को अब क्या नाराजगी है? क्या बांग्लादेश में छात्रों के नाम पर असामाजिक तत्वों ने फिर फन फैला लिया है? भारत ने ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी स्पष्ट कहा है कि हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए और जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन होना चाहिए। सरकार का एक व्यवस्थित ढांचा जब सामने आएगा, तभी उपद्रवियों पर लगाम लगेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बताया है कि कई जगहों पर अल्पसंख्यकों के व्यवसायों और मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। हालांकि, अफवाहों से भी सावधान रहने की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Lured into a life-killing rat race

ENOUGH has already been said and discussed about the tragic death of three IAS aspirants in New Delhi. It is like realising the implications of the all-pervading civil services myth, the agony of the perplexed/exploited generation, the crude business of India's black education system — the demonic coaching industry — and above all, the unholy alliance of the merchants of education and corrupt government functionaries. Imagine the callousness and corruption — a fancy and well-advertised IAS coaching centre running a library in the basement of the building, and feeling quite at ease with this illegal act. Think of the way these aspirants bargain with the gang of brokers/property dealers for finding an accommodation in tiny/dark cells that characterise the lanes and bylanes of Old Rajinder Nagar in Delhi — supposedly the 'sacred' sites for aspiring civil servants. Think of the monsoon malady and the pathetic drainage system in the area. And think of the intense flow of rainwater entering the basement library, and three youngsters dying a terrible death. Everything, it seems, is possible in this soon-to-be Viksit Bharat!Even though I understand the agony of these IAS aspirants, I feel like urging them to go deeper, question the myth that seems to have completely hypnotised them, rethink the meaning of 'success' and their life projects, and reflect on the price they pay — financial, mental and existential — for pursuing a goal that has often been imposed on them. To begin with, they need to understand the shallowness in the arguments they often make: "We want to become civil servants in order to serve the country." Well, IAS/IPS officers do not monopolise patriotism. One who collects the garbage from our houses and keeps the 'gated societies' clean is no less a patriot. Moreover, only a naïve person would say that our bureaucrats are saints and altogether free from the influence of the hugely problematic politics-business nexus.

The IAS myth has such an overwhelming impact on this generation because it promises officially 'legitimised' power and privilege. Anyone who has lived in a small town or village in India knows how the power/aura of the district collector, the superintendent of police, or even the block development officer tempts the aspiring class. For many, it is a path towards upward social mobility. Yes, accept it — it is not essentially the unconditional love for the country, but the 'will to power' and associated privileges that fascinate these youngsters — from engineers and doctors to PhD holders, or from history/anthropology graduates to even political activists. The result is the life-killing rat race. Imagine more than 10 lakh aspirants appearing in the UPSC prelims exam, and eventually 1,000 or a little more getting selected for IAS/IPS and allied services! Yet, the power of the myth is so strong that most of these aspirants try repeatedly, spend a huge amount of money (say,Rs 1.75 lakh only for general studies), end up wasting five or six years of their youthful lives, and eventually carry the stigma of 'failure'.Is it time for these youngsters to come to their senses, and debunk this myth? Think of the intensity of the damage it causes to them. For five/six years, what do they do? They shop around the overpriced coaching centres, and get attracted by the 'star strategists' (I do not regard them as teachers because meaningful teaching has a higher purpose) who instruct them how to prepare for general studies, history, psychology or Hindi literature, or 'motivate' them through their carefully crafted discourses. And from early morning to late night, they keep consuming the 'notes' or 'success manuals' through which the coaching centres colonise their lifeworld. Accept it, dear aspirants: In this highly mechanised and dehumanised process, there is no light, there is no joyful learning, and there is no serious engagement with even the 'skills' a future civil servant needs to cultivate. Possibly, after this tedious journey and endless drilling, most of these aspirants realise the utter meaninglessness of this process. If, for five years, you study history.

Hard questions before Sri Lanka's presidential poll

India has almost 15 million shops. What holds this essential segment back is the lack of broader market access and branding. It's time to think different.

India is a nation of shopkeepers. Today, we boast a total of 14.6 million shops in the country. Look around. Even as you and I step out of our homes, not more than three minutes goes by without passing either a paan shop, a small kirana or daily provisions store, or a large supermarket. Our lives are a clutter of the small shop. We are spoilt bad. For our every need, want, desire and aspiration, there is a store close by. At arm's-length reach. At desire's-length reach even.

Look at it from another perspective. Ho many of us have a shop within us? How many of our close relatives actually run a shop, big or small? The answer is loaded. We have a shopkeeper in our family either in the first, second or third rung of relationships. The shop and its upkeep is therefore within our DNA as Indians in more ways than one. If you don't own a shop, you possibly cater to a shop.

You sell stocks into a shop possibly through a sales and distribution business. And then there is yet another enterprise that intermediates between the manufacturer and the retailer at the street level. Informal numbers indicate the size of this business in sheer number terms to be as large as $1.3 trillion in 2022 when last audited. Finally, all of us are related to shops in some way or the other. Which one of us has survived without going out to that small little shop to buy a bar of soap, sugar or cigarette?

The shop then is the true-blue representative of early-stage small entrepreneurship. It began with a shop and in many ways it ends with a shop. All entrepreneurships are leverage-businesses to ensure the satiation of man's want and need to buy and use. The most modern apps of today that cater to the needs of a new generation of consumers for both products and services are just this.

The shop began small, went medium-sized, went self-service, grew into a mega-mart, and then disappeared altogether to enter into those very homes that came to the shop in the days gone by through ecommerce. You don't have to go to the shop anymore. Instead, the shop comes to you. In the bargain, instead of you stepping out to buy that loaf of bread from your corner bakery, the bread came home, driven in on an outsourced e-bike, brought in by an outsourced delivery boy and paid for on an e-payment gateway. The shop in many cases is no more. Long live the shop. The shop is on the cloud. Long live the cloud. Interestingly, this very kirana shop of yours is possibly selling more in the delivery-format than the in-shop format. Life has changed. Business has.This nation of shopkeepers of ours is therefore best poised to do business, more than any other. Yes, we are a nation of tech people today. But that's a total of 5.4 million people. We are a nation of doctors too, with 13.08 lakh allopathic ones registered with the National Medical Commission as on June 22. We are a nation of engineers, of teachers. But then, in sheer terms of numbers, exposure, relationships and the DNA of business intent, we are essentially a nation of shopkeepers.The agenda of the shopkeeper is therefore the biggest agenda we need to focus on. We

must plan for the future of the shopkeeper. What does the shopkeeper do next? Where is he stuck today? In the beginning he was small. Then big. And now bigger still in the virtual format. The shopkeeper reaches out to the rest of the world, which was hitherto inaccessible.Business today comes from all over. The humble Indian broomstick finds its way into Walmart across its stores in the US, just as Indian firewood finds its way into an ASDA in the UK. The most rustic offerings from India find value-added homes in the best of Western supermarkets. India is a supply waiting to feed the demand of the world. And the supply chain to facilitate this is that much more in a flux than ever before. Herein lies the story of the future, as it should unfold.Today's story of Indian exports into a global market is rather lopsided. If one examines Indian export earnings, we still earn from the core category of commodity, as opposed to the higher-end category of product and brand. Our top five exports are leather and its products, petroleum products, gems and jewellery, auto, equipment parts and electronic goods, and pharmaceutical products.

When the product pipeline seems to dry up, we move into services (the best being IT services of value $193 billion in 2022). The worst of the lot is the agriculture pipeline. We still do live out a life-script carved out for us by the British, as exporters of the basic commodity that markets of the West need and want.The business of India happens not only from and through the big conglomerates and business houses that dominate our imagination by the very fact that they are in the news all the time. The business of India resides in its small towns and villages. India today boasts of a population of 63.4 million medium, small and micro enterprises. As the Union Budget 2024 just unveiled by Finance Minister Nirmala Sitharaman brings the MSME category into focus, we need to understand very simply that we are all shopkeepers. We are medium, small and micro shops. Some of our shops sell 'kirana', and some sell services such as healthcare and beauty. Some of our shops manufacture small tools that go as components in bigger manufacture. Some of us offer intermediary services in consulting, tax, audit and more. The net of it is that we are all about the shop and the shopkeeper in us.My study of the MSME sector in India, across eight regions (concluded in March 2024) indicates just two primary gaps that keep our 63.4 million MSMEs down. The first is the fact that we have no access to the expanded markets of today. Our distribution does not tap into the e-format in B2B and B2C marketing equally, where the world is really our oyster. Our go-to market strategy thinks small, medium and micro. Never massive.The second lag and gap is branding. We do not believe enough in it. As the world of consumption across 126 countries swears by the branded offering, we are still content being in the space that is a basic commodity.The MSME sector in India needs to sit up and smell the opportunity. The world is indeed my oyster today. I need to invest in both the e-format of reaching out to markets as well as prudent investments into the subject of building relevant, original and innovative brands for the world at large. I am a shopkeeper for sure. I need to think like an e-shopkeeper now. I need to think like the branded shopkeeper.

Hasina's ouster

Authoritarian govt gets its comeuppance

MASSIVE anti-government protests have forced Sheikh Hasina to step down as the Prime Minister of Bangladesh and flee the country in the wake of widespread violence that claimed over 300 lives in just three weeks. A democrat who turned into a dictator, Hasina had it coming. She chose to ride roughshod over the people's aspirations and took them for granted. The dramatic turn of events has happened barely seven months after a controversial general election that was boycotted by the Bangladesh Nationalist Party (BNP) and other Opposition parties. Hasina had stormed to power for the fourth time in a row, but the allegations of rigging and strong-arm tactics tainted her victory. Desperate to drum up support for herself and her government, she visited India and China in recent months, even as trouble was brewing at home.

The Hasina regime grossly mishandled the agitation launched by students in protest against 30 per cent reservation in government jobs for relatives of freedom fighters who won independence for Bangladesh in 1971. The Supreme Court slashed the quota to 5 per cent, but the government's reluctance to release the arrested student leaders enraged the protesters, who upped the ante against Hasina. The public anger was exemplified by a mob vandalising a statue of her father, 'Bangabandhu' Sheikh Mujibur Rahman, who spearheaded the country's liberation movement.The developments are reminiscent of the 2022 protests in Sri Lanka that led to the ouster of the Rajapaksa brothers. The next government in Bangladesh will have to address the burning issues of high youth unemployment, economic stagnation and inflation. New Delhi, which enjoyed good ties with Hasina-ruled Dhaka, will have to recalibrate its strategy in view of the colossal churn in the neighbouring country. With the return of Pakistan-aligned BNP and Jamaat-e-Islami imminent, India needs to be wary of adverse headwinds in the subcontinent.

Railways' race against time

The prime minister has promised Indians at home and abroad that he will not rest till the country becomes the third largest economy, after the US and China. The average Indian railway commuter must wonder what this means for her.Last week, I travelled overnight by train from Bengaluru to Ernakulam. Little seems to have changed. The air conditioning was as cold as a morgue. A complaint was raised. The attendant obliged. Soon it was as hot as an oven. The black blanket smelled of others' sleep; the little white pillows had on them sepia maps of strangers' nightmares. The washroom taps did not work, the door bolts were not aligned, and, in the vestibules passengers hopeful of a miraculous berth squatted by their dozens. The Indian train, despite the efficiently-run Vande Bharat and others such, continues to be an arbitrary, uncertain, olfactory experience for most of the 23 million daily passengers.

My journey was behind schedule. But it did not kill or hurt, a probable outcome of buying a railway ticket. Last month, at least 10 passengers were killed and more than 50 injured because of track misalignment due to 'maintenance work'. In the last five years, there have been many accidents.In June 2023, in the Coromandel Express collision in Odisha, at least 293 people were killed and over 1,100 were injured. The causes were couched in bureaucratese: 'signalling errors and lack of real-time communication'. The year before, the major accident that occurred was the Bikaner-Guwahati Express derailment at Jalpaiguri, West Bengal: 9 killed, 45 injured. Track fracture was blamed. In 2021, it was the Doda train collision in Jammu: 20 killed, 70 injured, owing to 'signalling failure'. None of this makes much sense because the technology we have is capable of detecting the problems and sending the information to the right people.Dead passengers receive a compensation of Rs 5 lakh. The 'seriously injured' get Rs 50,000. What's Rs 5 lakh to the spouse and children of the deceased, who, in most cases, are the main earning members? If you lose an arm, leg, or eye, what would Rs 50,000 do for you?The meanness of the compensation is an indication of how little value India attaches to Indian life. As a nation with just too many humans, we naturally prefer to know more about feasts than funerals. We know everything about the Anant Ambani wedding, for example. The estimated budget of Rs 5,000 crore, to begin with. The VIP list of invitees. The warmth of million-dollar hugs between total strangers in golden gowns.

But we do not know, or cannot recall, the name or face of a single railway passenger who bought his ticket for his/her final ride. Surely a death that they are not responsible for must rate a higher monetary value than the Rs 2 crore watches that Bollywood stars got for attending a wedding?

Almost every other year, India witnesses a railway accident. But there has been no sustained discussion about the nature of the accidents, compensation or safety. The last white paper on the railways was in 2009. Neither the treasury benches nor the opposition has followed up on the seemingly permanent backwardness of the railways. How odd it is to talk about sending a rocket to land on the moon at a precise spot, and the country's inability to warn one train that another is coming at it from the opposite direction on the same track, though the same satellite information systems are at work. These systems can sense oncoming trains and alert the pilots and control centres almost instantly.

Yet, rail travel is a bit like a war to the average Indian. If the same rate of accidents was applied to air travel, there would be hell to pay. Recently, when the Delhi airport roof began leaking, it made headlines in every newspaper. Almost every railway station, used by the poorer classes a million times more, is in much worse shape—and yet, it is seen as pretty much all right.

The present minister has done a lot, introducing new high-speed trains and modernising the railways. Among the safety measures he has introduced is the Kavach, a train collision avoidance system named with a mythological allusion. This too involves satellite communication in part, we are told. None of this is cutting-edge technology. All of it has been there for scores of years. It is that we are way behind. It is that despite our ambition—Bovarian in its delusions of grandeur—to become a superpower or the third largest economy, we do not attach importance to the individual or try hard to make his or her life a little easier.In government offices, ration shops and even splendidly garish public toilets, the guiding sentiment is that the individual consumer is a subject receiving a favour. The railways itself affords a prime example of this almost philosophical disposition. How else can one explain the Mumbai local trains, which feel like travelling concentration camps, transporting 7.5 million commuters daily when they should be carrying less than half that number? There are changes in Mumbai's daily commuting, of course. The metro, for example—but it is about 50 years late in making its entry.

Clearly, the problem with the railways is the same as most of its trains: it is racing against time, and constantly falling behind.

Markets rebound in early trade; Sensex jumps 1,046 points; Nifty surges above 24,300-level

MUMBAI. Equity benchmark indices Sensex and Nifty bounced back sharply in early trade on Wednesday after three days of massive decline in-tandem with a rally in global peers.The 30-share BSE Sensex jumped 1,046.13 points to 79,639.20 in early trade.

The NSE Nifty surged 313.9 points to 24,306.45.

Among the 30 Sensex firms, Maruti, Infosys, UltraTech Cement, Adani Ports, JSW Steel and HCL Technologies were the biggest gainers.

Asian Paints, Kotak Mahindra Bank, Bharti Airtel and Titan were the laggards.Asian markets were also trading in the positive territory, where Seoul, Tokyo, Shanghai and Hong Kong were quoting significantly higher.The US markets ended gher on Tuesday.

"After the twin jolts from US recession fears and the unwinding of the Yen carry trade, stock markets globally are slowly limping back to stability.

Even though FIIs were big sellers in India in the cash market during the last three days, their selling is being matched by DII (Domestic Institutional Investors) buying.This countervailing investment by DIIs can impart resilience to the market," said V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services.

Foreign Institutional Investors (FIIs) offloaded equities worth Rs 3,531.24 crore on Tuesday, according to exchange data.DIIs bought equities worth Rs 3,357.45 crore on Tuesday.Global oil benchmark Brent crude climbed 0.14 per cent to USD 76.59 a barrel.

Falling for the third straight day on Tuesday, the BSE benchmark settled at 78,593.07, down 166.33 points or 0.21 per cent.Similarly, the Nifty declined 63.05 points or 0.26 per cent to settle below the 24,000 level at 23,992.55.

Ola Electric IPO subscribed 4.26 times on final day of bidding

NEW DELHI. The much-anticipated initial public offering (IPO) of Ola Electric was subscribed 4.26 times on the final day of bidding, receiving bids for 198.16 crore equity shares against 46.52 crore on offer. The low subscription level came despite the leading electric two-wheeler company's valuation eased to about $4 billion ahead of the Rs 6,145 crore IPO.

Categories-wise, the heavy lifting was done by qualified institutional buyers (QIBs) and retail investors as their portion was subscribed 5.31 times and 3.86 times the allotted quota, respectively. The non-institutional investors (high networth individuals) bid 2.39 times the portion set aside for them. The portion set aside for employees was subscribed 11.66 times against the reserved portion.Owing to low enthusiasm and rising volatility in the broader market, the grey market premium (GMP) of Ola Electric has fallen sharply in recent times, indicating a not-so-buoyant listing gain. Last checked, Ola Electric was commanding no premium in the unofficial market.

Brokerage firms and analysts too have mixed views on the IPO as they expect Ola Electric to incur losses. They are also not satisfied with the $4 billion valuation. The Bengaluru-based reported a net loss of Rs 1,584.40 crore with a revenue of Rs 5,243.27 crore for the financial year ended on March 31, 2024.

Ola Electric is demanding an EV/sales multiple of 6.3 times, which is at a significant premium, said Choice Broking in a note. It added that key concern for the company is its reliance on government subsidies for generating sales and its loss-making operations.

ITR refund status: How to check online using PAN on e-filing portal and NSDL

New Delhi. Taxpayers now eagerly await their refund after having gone through the process of filing their income tax returns before the July 31 deadline despite facing several glitches on the tax portal.

Taxpayers can check refund status for financial year 2023-24 (FY24) online. The deadline for filing ITR was July 31, and now it's important to stay updated on your refund status.You can easily do this using the income tax e-filing portal or the National Securities Depository (NSDL) website. Here's a guide to help you check your refund status.Before you start checking your refund status, make sure you have the following details:Your valid ID and password for logging into the income tax e-filing portal.Your PAN must be linked with your Aadhaar.The acknowledgement number from your filed ITR.How to check ITR refund status online using PAN cardFollow these steps to check your refund status using your PAN number:Visit the income tax e-filing portal and log in using your ID and password.Go to the 'e-File' tab. Click on 'Income Tax Returns' and then 'View Filed Returns'.Select the assessment year and check the status of your refund.

How to check tax refund status on NSDL websiteYou can also check your refund status on the NSDL website. Here's how:Go to the NSDL website and enter your PAN.Select the assessment year.Enter the 'captcha code' and click 'proceed' to view your refund status.How long does it take to process ITR refundTypically, it takes about four to five weeks for the refund to be credited to your account after verifying your tax return online.If you have not received your refund within this period, look out for any emails from the income tax department regarding issues with your return. You can also check the status of your refund on the e-filing website to get updates.

Dubai International Airport, busiest for global travel, sees half-year record of 44.9 million passengers

A real-estate boom and its highest-ever tourism numbers have made the city-state in the United Arab Emirates no longer just a layover but a destination for even more travelers.

DUBAI. Dubai International Airport saw a record 44.9 million travelers pass through its cavernous terminals in the first half of this year, putting the world's busiest airport for international travel back on track to beat its all-time record as aviation booms after the coronavirus pandemic.

The results released on Wednesday follow a record-breaking annual profit for the long-haul carrier Emirates that calls the airport known as DXB home — and comes as Dubai plans to move operations to a planned, nearly $35 billion airfield in the next decade.eanwhile, a real-estte boom and its highest-ever tourism numbers have made the city-state in the United Arab Emirates no longer just a layover but a destination for even more travelers."The record-breaking performance in the first half of this year highlights our strategic importance as a global aviation hub," Dubai Airports CEO Paul Griffiths said in a statement. "Dubai is at the forefront of global cities when it comes to attracting talent, businesses, and tourists from around the world — and we are proud to be the gateway to the city."The airport had 89.1 million passengers in 2018, its busiest-ever year before the pandemic. Sixty-six million passengers passed through in 2022 and 86.9 million passengers in 2023."We have a very optimistic outlook for the remainder of the year, and we are on track to break records with 91.8 million annual guests forecasted for 2024," Griffiths added.DXB long has served as a barometer for the aviation industry worldwide and the wider economic health of Dubai. The emirate and the airline rebounded quickly from the pandemic by pushing forward with tourism even as some countries more slowly came out of their pandemic crouch.The airport had 89.1 million passengers in 2018, its busiest-ever year before the pandemic. Dubai plans to move its busy international airport to USD 35 billion new facility within 10 yearsThat has seen whiplash at an airport briefly shut during the pandemic to one now straining from the traffic. In April, Dubai's ruler Sheikh Mohammed bin Rashid Al Maktoum announced plans to move DXB's operations to Al Maktoum International Airport at Dubai World Central, an airfield in the city's southern reaches whose development had been delayed by the repercussions of the sheikhdom's 2009 economic crisis.

Plans call for a curving, white terminal reminiscent of the traditional Bedouin tents of the Arabian Peninsula. The airport will include five parallel runways and 400 aircraft gates, officials say. The airport now has just two runways, like Dubai International Airport.

Al Maktoum International Airport, some 45 kilometers (28 miles) away from DXB, opened in 2010 with one terminal. It served as a parking lot for Emirates' double-decker Airbus A380s and other aircraft during the pandemic and slowly has come back to life with cargo and private flights in the time since. It also hosts the biennial Dubai Air Show and has a vast, empty desert in which to expand.

Akums Drugs and Pharmaceuticals IPO lists at 7% gain: Book profit or sell

NEW DELHI. A senior official has confirmed that the Indian government will not retract the tax demand of Rs 32,000 crore against IT giant Infosys, citing strong evidence in the case related to goods and services tax (GST).The official stated, "The government is firm in its decision. The law will take its own course. If there is a demand, then the company would have to settle it." Additionally, other companies with foreign branches may also face similar tax demands.Recently, Infosys received partial relief from the Directorate General of GST Intelligence (DGGI) regarding allegations of tax evasion linked to free services provided by its foreign subsidiaries. However, this relief was granted on technical grounds, as the tax demand can't exceed a five-year limit.

The official said that the government is firm in its decision. The law will take its own course. If there is a demand, then the company would have to settle it.

The demand was issued by the DGGI on July 31, claiming tax evasion that exceeds Rs 32,000 crore. Following this, Infosys announced that the Karnataka state authorities had withdrawn a pre-show cause notice issued the same day and requested additional information from the company for the DGGI's review.

In its defence, Infosys has stated that it has settled all its GST payments and contends that the DGGI's claims do not pertain to its legitimate expenses. The company emphasised its compliance with all applicable central and state regulations in a filing on July 31.

The pre-show cause notice came shortly after media reports surfaced regarding the Karnataka state GST authorities' notice on the same matter, as disclosed by Infosys in its July 31 filing.

Explained: Why Suzlon Energy shares jumps 5% in early trade

New Delhi. Suzlon Energy shares gained 5% in early trade on Wednesday after Morgan Stanley reaffirmed its 'overweight' rating on the company, setting a target price of Rs 73.40 per share.The target is approximately 11% higher than Suzlon's closing price on Tuesday.The boost in Suzlon's stock price comes on the heels of the company's announcement that it has signed definitive agreements to acquire a 76% stake in Renom Energy Services from the Sanjay Ghodawat Group (SGG).Renom is India's largest Multi-Brand Operations and Maintenance Service (MBOMS) provider, managing 1,782 MW in wind, 148 MW in solar, and 572 MW in BOP assets.Following this announcement, Suzlon's stock climbed to a high of Rs 69.45 on the BSE.Morgan Stanley highlighted that the deal's implied valuation of four times price-to-sales is more attractive compared to Suzlon's listed peer.Other financial analysts have set varying targets for Suzlon, with JM Financial at Rs 71, Geojit Financial Services at Rs 73, Anand Rathi Shares & Stock Brokers at Rs 68, and Nuvama Institutional Equities at Rs 64.Suzlon's acquisition of Renom will occur in two tranches. The first tranche involves purchasing a 51% stake for Rs 400 crore, while the second tranche will see an additional 25% stake acquired within 18 months for Rs 260 crore.The completion of this transaction is contingent on fulfilling certain conditions.

Suzlon Energy highlighted that the strategic acquisition would unlock Renom's potential and position it as a leading Independent Service Provider (ISP) for multi-brand renewable energy assets.Girish Tanti, Vice Chairman of Suzlon Group, explained that this move aligns with India's goal of achieving 500 GW of renewable energy installations by 2030.

He noted that Renom's strength in handling various renewable technologies and turbines would be crucial for Suzlon's growth strategy.JP Chalasani, CEO of Suzlon Group, added that this acquisition would enhance Suzlon's service business, which has been a key enabler of the energy transition.ith Suzlon Services focusing on Suzlon-made turbines and Renom on non-Suzlon assets, the company aims to provide comprehensive O&M services across the Indian renewables sector.

MPC unlikely to begin rate cuts now

MUMBAI. Despite the rising chorus within the monetary policy committee (MPC) for slashing the interest rates and also change the policy stance, nobody is expecting the Reserve Bank-led rate setting panel to tweak the policy rates or even the stance because of the still stubborn inflation.If the MPC, which began its three-day customary pre-policy review meeting on Tuesday here, leaves the rates unchanged, this will be the ninth consecutive time it does so, after it raised the key repo rate by 35 bps to 6.5% in the February 2023 review.Two of the six-member MPC in the last policy meet in June had differed with the majority view to hold the rates as well as to retain the policy stance of withdrawal of accommodation. Jayant Verma

and Ashima Goel are two of the three external members of the panel and are appointed by the government.State Bank chairman Disneh Khara was vocal in saying he doesn't expect any changes in the policy on Thursday, saying growth remains strong and inflation, led by food articles are stubbornly high.

"There is no reason for the RBI to slash the rate now as its inflation is far from over. Moreover, the economy is faring robustly well. Most central banks are decoupling from themevles and act mostly according to the domestic situations," Khara told reporters at the post-earnings presser last Saturday.

However, he expects the RBI to do something more on the liquidity front as the system gets into the busy credit season now. Even fund managers and chief financial officers' polls by business channels also don't expect any changes in the policy rates.Retail inflation rose to 5.08% in June as against 4.8% in May, and remaining under the 5% mark since January due to higher food and beverage inflation. Core CPI rose to 3.13% from 3.07% in May. Both rural and urban inflation rates jmped in June, with rural inflation increasing to 5.66% and urban printing in at 4.39% in June.

LTCG tax rules: How you can pay less on stock profits below Rs 2.25 lakh

The long term capital gains (LTCG) tax was raised from 10% to 12.5%, and the Short Term Capital Gains (STCG) tax on certain assets were increased from 15% to 20%.

New Delhi. Finance Minister Nirmala Sitharama introduced a new regime for the long term capital gains (LTCG) in Budget 2024.

The long term capital gains (LTCG) tax was raised from 10% to 12.5%, and the Short Term Capital Gains (STCG) tax on certain assets were increased from 15% to 20%."Short term gains on certain financial assets shall henceforth attract a tax rate of 20%, while that on all other financial assets and all non-financial assets shall continue to attract the applicable tax rate," Nirmala Sitharaman said durig the Budget presentation.The Finance Minister shared the reason behind it and said, "We wanted to simplify the approach to taxation, also for the capital gains. Second, if anything, the average taxation actual has come down. When we say it is 12.5%, because we have worked out for each of the different classes. But the point is that we have brought it down from below average to 12.5%, which is the lowest if you look at several years, encourages investment in the market," said Sitharaman.

In addition, Sitharaman also announced a hike in STT (securities transaction tax) on F&O (futures and options) securities by 0.02% and 0.1% in order to discourage retail investors from trading in the risky market segment.These changes to LTCG tax were not well received by the investor community."The taxation on LTCG on sale of stocks has evolved in the past years. From being entirely tax free, to getting taxed at 10% with an exemption up to Rs 1 lakh of gains, to the current rate getting increased to 12.5% in the July 2024 budget, alongside a miniscule increase in exemption to Rs 1.25 Lacs. While the intention of this amendment as mentioned in the memorandum, was to tap the gains derived primarily by HNI's , this is considered a blow on investment in stocks for classes across," said Ritika Nayyar, Partner, Singhania & Co.

She further added that the maths for the taxes on these gains across varied income ranges does come out with some numbers which support those small investors, earning LTCG within that range, where they may be better off with this amendment.However, one will have to strictly not only time them well but keep a close watch that it doesn't go beyond that income numbers."This will be a play between, both, the rate of LTCG and the slight increase of exemption to Rs 1.25 lakh. For example, if we see the comparative table below, as the LTCG is increasing, after income of Rs 1.5 lakh, the tax as per new rates starts increasing, however it is still less than the tax coming under the old rate, which was lower," said Nayyar.This is due to the trade-off between the higher exemption and lower tax rate. However, it reaches a breakeven at Rs 2.25 lakh where the tax amount in both scenarios is the same. But after this income range, these small investors lose this leverage," she added.Note: For ease of the above calculation, surcharge and cess have not been considered.So, this amount of Rs 2.25 lakh could be considered as a focal point in case a small investor/ taxpayer intends to get the best of both the worlds. However, due caution on transactions within limits, will have to be exercised to ensure this.

In Mega Waqf Board Reform, 44 Amendments Proposed, Women Members Mandatory

New Delhi: Amid the hue and cry over 'curtailing' of powers of the Waqf Board, particularly by Muslim outfits, the BJP-led NDA government is all set to introduce more than 40 amendments to the Act, by bringing two Bills in the ongoing Monsoon Session of Parliament.The Bills are aimed at kick-starting reforms in the Waqf Board as it makes it compulsory for the body to have two women members on its panel.Registration of Waqf property through a central portal and protection of rights of the Bohra community are other salient features of the proposed amendments.

The Amendment Bill also proposes to strip the Board of its power to declare any property as a 'Waqf property'.For this, Section 40 of the existing Waqf Board Act will be repealed.As per the details of the Waqf Amendment Bill, the Waqf Act 1923 will be revoked and the structure of Waqf Act of 1995 will be altered, by introducing 44 amendments, for its better functioning and operation.The proposed amendments also aim to enhance 'inclusivity' in the Waqf Board by ensuring women's representation on the Central Waqf Council and state boards.

Proposed key changes in the new legislation are renaming of the Waqf Act 1995 as Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development Act, 1995; changes to ensure adequate representation of all Muslim communities including Shia, Sunni, Bohra, Aghakhani and other backward classes; a separate Board of Auqaf has been proposed for Bohras and Aghakhanis Central Waqf Council and the state Waqf Boards will have representation of Muslim women and non-Muslims.

The proposed changes have also found support from various dargah chiefs.On Tuesday evening, a couple of them met Kiren Rijiju, the Minister for Minority Affairs and announced support to the legislation.

Taking to X, the Union minister said, "A delegation of the All India Sufi Sajjadanashin Council (AISSC) comprising of the most revered & prominent Sajjadanashins from various Dargahs across India met me under the leadership of Shri Syed Naseruddin Chishty, Chairman & Successor of the Present Spiritual Head of Ajmer Dargah to discuss a range of important issues concerning the Muslim community."They lauded & praised the efforts of PM Modi towards the welfare of the entire community and minorities in general."According to reports, Waqf Boards have a land bank of nearly 8.7 lakh properties, with total area spreading to about 9.4 lakh acres.

The Amendment Bill also proposes to strip the Board of its power to declare any property as a 'Waqf property'.

Give Timeframe By Aug 27 For Survey On Reservations In Local Body Polls: High Court To Telangana Government

HYDERABAD: The Telangana High Court has directed the state government to inform it by August 27 of the time it needed for conducting a survey to come out with recommendations on reservations for BCs and other categories in local body elections. A bench of Chief Justice Alok Aradhe and Justice J Sreenivas was hearing a bunch of petitions seeking implementation of reservations for BCs category wise in local body elections, including in Greater Hyderabad Municipal Corporation. The bench referred to the Supreme Court's earlier direction that states should first set up a dedicated commission to conduct a "contemporaneous empirical survey" to collect data of various categories of BCs by the panel before earmarking reservations. The petitioners challenged the powers given by the BC Finance Corporation to collect the empirical data of BC, saying that cannot be done by a corporation and needs a dedicated commission to do it.

In 2021, the Telangana government designated the existing BC Commission as “Dedicated Commission” and vested powers in it to conduct the empirical survey, BC Commission sources said. The petitioners contended that the election notification for local bodies should be issued only after the survey is done. The high court's directive came on a petition filed by BRS leader Sravan Dasoju, who among others sought a direction to the Telangana government, the state election commission and other respondents to forthwith undertake the exercise. The HC posted the matter for hearing on August 27.

Puja Khedkar Case: UPSC Says 'Fake' IAS To Get Candidature Cancellation Copy Within Two Days

NEW DELHI: The Union Public Service Commission (UPSC) informed the Delhi High Court on Wednesday that it will communicate within two days its order cancelling former probationary Indian Administrative Service (IAS) officer Puja Khedkar's candidature to her. Noting the submissions of UPSC, Justice Jyoti Singh disposed of Khedkar's plea challenging the Commission's press release stating that her candidature has been dismissed.

"The petition is disposed of granting liberty to the petitioner to approach the appropriate forum in accordance with law. It is made clear that this court has neither entered into nor expressed any opinion on the merits of the case and the filing of the present petition will not come in the way of the appropriate forum in adjudicating the issue on merits," the court said.

The court asked Khedkar to give her address to the UPSC, and said the order be supplied to her physically and electronically. It also said that for other reliefs like challenge to the cancellation order, Khedkar will have to go to the Central Administrative Tribunal (CAT). During the hearing, senior advocate Indira Jaising, appearing for Khedkar, said the cancellation order was never communicated to her and she came to know about it only through the press release.

On being asked by the court as to why she has not approached CAT with her challenge, Khedkar's lawyer said since she was not served with the official order by UPSC, the plea was moved before the high court impugning the press release. Senior advocate Naresh Kaushik, representing UPSC, said the order will be communicated by the Commission to Khedkar within two days on her email id as well as her last known address.

On July 31, the UPSC cancelled Khedkar's candidature and debarred her from future exams. She was accused of 'misrepresenting information' in her application for the UPSC Civil Services Examination, 2022. Khedkar was also accused of cheating and wrongly availing of OBC and disability quota benefits.On August 1, a trial court here had denied her anticipatory bail, saying these are serious allegations that "require a thorough investigation".

Rahul Gandhi to Centre: Declare Wayanad landslides a national disaster

NEW DELHI: Leader of Opposition in the Lok Sabha Rahul Gandhi on Wednesday called on the government to declare the recent calamity in Kerala's Wayanad a national disaster.Speaking during Zero Hour, Gandhi also demanded higher compensation for the people affected.

Emphasising the need to declare the Wayanad landslides a national disaster, he said, "I saw it with my own eyes. I visited many different places where the disaster took place. In some cases, an entire family is gone, with just one person remaining, sometimes an adult or a child.”

He also expressed his gratitude to those who helped during the disaster."With more than 200 dead and a vast number

missing, the eventual casualty count may exceed 400," Gandhi said.He commended the work of the state governments of Karnataka, Tamil Nadu and Telangana for their assistance as well the central forces and the army that helped in the rescue operations.Gandhi also highlighted the unity shown by communities."It is heartening to see all communities coming together to help people, regardless of different ideologies," he noted.He pointed out that the landslides had cut off vital roads, exacerbating the crisis."It is a huge tragedy," Gandhi said, urging the government to provide a comprehensive rehabilitation package, build disaster-resistant infrastructure and enhance compensation for the affected.

India brings back non-essential staff from Dhaka mission, diplomats remain

NEW DELHI: A special Air India (AI1128) flight brought back 190 non-essential staffers and their family members from the Indian High Commission in Dhaka amid unrest in Bangladesh that led to the fall of the Sheikh Hasina-led government, sources said. However, all diplomats remain in Bangladesh and the missions are functional, sources said.Sources said around 20-30 senior staff are left at the High Commission in Dhaka. Apart from the High Commission in Dhaka, India has assistant high commissions or consulates in Chittagong, Rajshahi, Khulna and Sylhet.On Tuesday, External Affairs Ministr S Jaishankar said around 10,000 Indians were presently residing in Bangladesh and the government was in "close and continuous" touch with the community through its diplomatic missions.

The situation in Bangladesh is still evolving... We are

in close and continuous touch with Indians in Bangladesh through our diplomatic community," Jaishankar said in Parliament.Addressing MPs in Parliament during an all-party meeting, Jaishankar said the situation in Bangladesh was not that alarming to require the evacuation of the 10,000 Indians in the violence-hit country.

Of particular concern for India has been the attack on houses and temples of the Hindus in Bangladesh. With an interim government still to be formed, widespread vandalism and looting of homes have been reported. The interim government will be headed by Nobel laureate Muhammad Yunus.

The neighbouring country plunged into chaos after a controversial quota system for government jobs saw massive street protests and violence, leaving over 400 dead and hundreds more injured. On Monday, Sheikh Hasina quit as prime minister and fled to India as protesters stormed her residence and vandalised it.After her departure, the Awami League's main office was set on fire and several leaders were targeted by the protesters. Around 20 bodies of Awami League leaders have reportedly been found across Bangladesh.

Arvind Kejriwal was present after Swati Maliwal was assaulted: Chargesheet

New Delhi. The Delhi Police has stated that Chief Minister Arvind Kejriwal was also present with his close aide, Bibhav Kumar, immediately after the alleged assault on AAP MP Swati Maliwal took place at the Chief Minister's residence, according to the chargesheet accessed by India Today.The police is currently investigating whether this proximity of the Chief Minister to the accused, followed by the subsequent actions by the Aam Aadmi Party leaders, suggests a coordinated effort to cover up the assault.

In the chargesheet filed against Bibhav Kumar, Delhi Police indicated that there could be a larger conspiracy behind the assault.

The police highlighted that following the incident, both AAP leaders Atishi and Sanjay Singh changed their statements, raising questions about the potential conspiracy.

On May 14, a day after the assault, Sanjay Singh publicly condemned

Bibhav Kumar's actions, promising strict action. However, three days later, Atishi dismissed Maliwal’s allegations at a press conference. This sudden shift in stance within a span of 72 hours prompted the police to probe to see if there was any consultation or conspiracy behind these contradictory stands.In her supplementary statement, Swati Maliwal expressed her belief in a larger conspiracy, citing the unified support for Bibhav Kumar by AAP leaders and workers. She urged the police to explore this angle, suggesting that the party’s backing of Kumar indicated an orchestrated effort to undermine her.

Eyewitness accounts and statements on the chargesheet paint a grim picture of the assault. Maliwal reportedly endured a merciless beating by Bibhav Kumar, who allegedly slapped her multiple times, dragged her across the room, and kicked her repeatedly. An auto driver stated that Maliwal was visibly distressed and crying, recounting her ordeal over the phone.

Supreme Court's Stern Reprimand For Judge Who Criticised Its Order

New Delhi: The Supreme Court on Wednesday responded firmly to a challenge to its authority - stressing that compliance with its orders is "not a matter of choice" - and expunged critical remarks made by a single-judge bench of the Punjab and Haryana High Court last month regarding a land dispute case.The judge had reacted sharply to a May 3 order staying certain contempt proceedings.Chief Justice DY Chandrachudcalled the criticism "unnecessary" and said it lowered the dignity of both courts. "A party may be dissatisfied with a decision... but judges can never express dissatisfaction over the order passed by a higher constitutional forum," the Chief Justice declared.

A five-judge bench of the Chief Justice and Justice Sanjiv Khanna, BR Gavai, Surya Kant, and Hrishikesh Roy was responding suo moto to the judge's comment, and called it a "matter of grave concern". The bench also warned the judge - Justice Rajbir Sehrawat - who made the remark, saying it expected

restraint while commenting on orders passed by the Supreme Court.

"Justice Sehrawat made observations in regard to the Supreme Court of India, which are a matter of grave concern... judicial discipline in the context of the hierarchical nature of the system is intended to preserve the dignity of all institutions, whether a district or a High Court, or the Supreme Court.""The observations made... were unnecessary for the ultimate order which was passed. Gratuitous observations in regard to previous orders passed by Supreme Court are absolutely unwarranted."

he Supreme Court underlined that compliance with its orders is not "a matter of choice but a matter of constitutional obligation". "Parties may be aggrieved by an order... but judges are never aggrieved by an order passed by a higher constitutional forum," the Chief Justice-led bench.The top court, however, declined to initiate contempt proceedings of its own against the judge, particularly since a Division Bench had acted first and stayed Justice Sehrawat's order.The court did, though, express hope that judges of other courts would learn from this episode and be cautious while commenting on orders passed by the country's foremost legal forum.The matter broke after a video of the judge making his observations went viral. Solicitor General Tushar Mehta suggested the video "makes (for) a case of aggravated contempt" against the judge.

NEWS BOX

1 dead, 8 trapped after hotel partially collapses in Germany

Kroev, Germany. A hotel partially collapsed overnight near the banks of the river Moselle in Germany, killing one person and trapping eight others, some of whom suffered severe injuries in the incident, local police said on Wednesday.

The body of the victim was located but could not yet be recovered, said police, who established contact with some of those still trapped."Due to the nature of the damage, this is an extremely demanding operation," the police statement said, and the building in the town of Kroev could only be entered by emergency responders with the utmost caution.Firefighters and paramedics gathered outside the building, whose upper floor caved in at around 11 pm on Tuesday.One emergency responder was seen carrying a barefoot woman out of the damaged building.Investigators believe 14 people were in the hotel when the incident occurred, five of whom escaped without injury.Police said 31 neighbours were also evacuated from their homes for their own safety.The Moselle region is known for its picturesque towns and vineyards on steep river banks.

Tropical storm Debby brings heavy rain, tornadoes to US states, streets flooded

Charleston. Tropical storm Debby drenched coastal cities in Georgia and South Carolina, stirred up tornadoes and submerged streets with waist-high floodwaters on Tuesday, just the beginning of a prolonged storm that could dump staggering rain totals of up to 25 inches (64 centimetres).Charleston and Savannah, Georgia, took the first blow, with up to a foot (30 centimetres) of rain falling along the coast between the two cities in just over 24 hours. Police blocked all roads into Charleston's downtown peninsula to everyone but essential workers and emergency personnel. Dozens of roads were closed in the historic city because of flooding similar to what it sees several times a year because of rising sea levels.As Debby swirls just offshore, the heavy rain is expected to move north into parts of South and North Carolina that have already seen two billion-dollar floods in eight years.In one Savannah neighbourhood, firefighters used boats to evacuate some residents and waded through floodwaters to deliver bottled water and other supplies to those who refused to leave.Michael Jones said water gushed into his home on Monday evening, overturning the refrigerator and causing furniture to float. Outside, the water seemed to be everywhere and was too deep to flee safely. So, Jones spent a sleepless night on his kitchen table before firefighters going door to door came in a boat on Tuesday morning."It was hell all night," Jones said, adding, "It was a struggle, but God is good."In Charleston, Mayor William Cogswell said the road closures have kept businesses and homes from unnecessary damage and avoided the need for any high-water rescues."We especially don't need any yahoos driving through the water and causing damage to properties," Cogswell said.South Carolina Governor Henry McMaster said Debby has not been as bad as feared so far, but he warned that the slow-moving storm was far from over.It will be a nervous few days for northern South Carolina and southern North Carolina, where forecasters warned of up to 15 inches (38 centimetres) of rain. Those totals are close to what the region saw in a historic flood from Hurricane Matthew in 2016. Two years later, many of those records were broken during Hurricane Florence. Both storms killed dozens.

Trump says he'll do 'major interview with Elon Musk' on August 12

World. Former US President Donald Trump has announced that he will be interviewed by tech mogul Elon Musk on Monday night.Making the announcement on his official Truth Social handle, Trump stated, "On Monday night, I'll be doing a major interview with Elon Musk — details to follow!"This came as Democratic nominee Kamala Harris selected Minnesota Governor Tim Waltz as her running mate for the upcoming US presidential elections.However, Musk has yet to comment on the interview on his social media platform, X. It is worth noting that in January 2021, Trump was banned from Twitter during the final days of his term as US President. However, after Musk took over the social media platform, Trump's X account was reinstated.

The news of the interview comes after Michigan election officials along with North Carolina Board of Elections launched a probe into the Donald Trump-supporting political action committee (PAC), which the Tesla CEO said he had created.The probe centres on the allegations that the PAC has been scooping up and potentially misusing voter data.he activities of PAC, a political action committee backing Donald Trump's candidacy, are currently under scrutiny by both the North Carolina Attorney General's Office and the Michigan Secretary of State.As reported by CNBC, Elon Musk's PAC in the US has been called out for lifting personal information from people under the guise of voter registration. A recent report said that Tesla's political group has been collecting personal data from people in Michigan and other states through its website.

"While the America PAC is a federal political action committee, the Department is reviewing its activities to determine if there have been any violations of state law.

Bangladesh army defied Sheikh Hasina's order to impose curfew by force: Report

- Bangladesh army chief Gen Waker-Uz-Zaman told Sheikh Hasina's office that troops would not impose a curfew by firing upon people who were demanding her removal from the post over the controversial job quota system, two officers told Reuters.

Dhaka The night before long-time leader Sheikh Hasina abruptly fled Bangladesh amid deadly protests, her army chief held a meeting with his generals and decided that troops would not open fire on civilians to enforce a curfew, two serving army officers with knowledge of the discussions told Reuters.

Gen Waker-Uz-Zaman then reached out to Hasina's office, conveying to the prime minister that his soldiers would be unable to implement the lockdown she had called for, according to an Indian official briefed on the matter.The message was clear, the official said: Hasina no longer had the army's support.Details of the online meeting between military top brass and the message to Hasina that she had lost their backing had not previously been reported.They help to explain how Hasina's 15-year rule, during which she brooked little dissent, came to such a chaotic and sudden end on Monday, when she fled from Bangladesh to India.The nationwide curfew had been imposed after at least 91 people were killed and hundreds injured in nationwide clashes on Sunday (August 4), the deadliest day since student-led protests against Hasina began in July.Army spokesperson Lt Col Sami Ud Dowla Chowdhury confirmed the Sunday evening discussions, which he described as a regular meeting to take updates after any disturbance. He did not provide details when presented with additional questions about decision-making at that meeting.Hasina could not be reached and her son and advisor, Sajeeb Wazed, did not respond to repeated requests for comment.Reuters spoke to ten people familiar with the events of the past week, including four serving army officers and two other informed sources in Bangladesh, to piece together the final 48 hours of Hasina's

reign. Many of them spoke on condition of anonymity due to the sensitivity of the matter.Hasina, whohas ruled Bangladesh for 20 of the last 30 years, was elected to a fourth term leading the country of 170 million in January, after arresting thousands of opposition leaders and workers. That election was boycotted by her main rivals.Her iron-fisted grasp on power has been challenged since summer by protests triggered by a court ruling to reserve government jobs - heavily coveted amid high youth unemployment - for certain segments of the population. The decision was overturned but the demonstrations had quickly morphed into a movement to oust Hasina.Zaman has not publicly explained his decision to withdraw support from Hasina. But the scale of the protests and a death toll of at least 241 made supporting Hasina at all costs untenable, three former senior Bangladesh army officers told Reuters."There was a lot of uneasiness within the troops," said retired Brig. Gen M Sakhawat Hossain. "That is what probably (put) pressure on the chief of army staff, because the troops are out and they are seeing what is happening."Zaman, who is related to Hasina by marriage, had showed signs of wavering in his support for the former Prime Minister on Saturday (August 3), when he sat on an ornate wooden chair and addressed hundreds of uniformed officers in a town hall meeting. The military later made some details of that discussion public.The general declared that lives had to be protected and called on his officers to show patience, said army spokesman Chowdhury.It was the first indication that Bangladesh's army would not forcefully suppress the violent demonstrations.

Bangladesh Jamaat-e-Islami condemns attacks on Hindus: All have equal rights

World. Amid a series of attacks on Hindu minorities in Bangladesh, the Bangladesh Jamaat-e-Islami (BJI) has condemned the incidents, saying there is nothing called majority or minority and that every citizen has equal rights.

Speaking in a press conference, BJI's current Amir Shafiqur Rahman accepted that there indeed have been attacks on religious minorities, including incidents of vandalism, looting and arson."We have condemned these activities of the miscreants several times and still condemning it now. Under the circumstances, we have called upon the countrymen as well as the manpower of our organization to play the role of guardians in protecting the properties of the people of all religions. No one is majority or minority in our country," he said.Shafiqur Rahman further stated that everyone born in Bangladesh, regardless of their caste or

religion, is a citizen of the country and enjoys "equal rights"."So, the question of majority or minority is invalid," the BJI Amir said.He asked citizens to resist the miscreants and their misdeeds, and said the party is ready to "give full cooperation to the administration".The massive student protests against a quota system for government jobs in Bangladesh, which has led to the deaths of over 400 people, have now turned into a widespread saga of vandalism and looting, with the minorities, especially the Hindus, facing ire. The attack escalated following the resignation as the Prime Minister and subsequent escape to India by Sheikh Hasina.Multiple online videos showed temples being set ablaze, and houses and businesses of Hindus being attacked. An ISKCON temple in Meherpur, located in Bangladesh's Khulna division, and a Kali temple were vandalised and torched. Meanwhile, two Hindu councillors were killed amid the protests.

The Bangladesh Hindu Buddhist Christian Unity Council tweeted that as many as 54 attacks took place on temples, houses and establishments of the Hindu community. These include the Indira Gandhi Cultural Centre, which promotes cultural exchange between India and Bangladesh.

Cocaine at White House: Secret Service destroyed evidence, quizzed no one

- The United States Secret Service confirmed it disposed of cocaine discovered at the White House last year. The investigation closed after 11 days without interviewing suspects, despite a partial DNA match in a national database. Two of President Joe Biden's children have had issues with cocaine use.

World. The United States Secret Service has confirmed that it "disposed of" cocaine discovered at the White House last year, responding to reports of internal disagreements over its handling. Secret Service spokesman Anthony Guglielmi confirmed that the evidence was destroyed according to established retention policies. President Biden's adult children,

Hunter and Ashley Biden, have had past issues with cocaine use, adding to the controversy.The cocaine, found on July 2, 2023, near the Situation Room in a locker for personal items, reportedly had a partial DNA match in a national database.The Secret Service closed its investigation just 11 days later without interviewing potential suspects, leading to speculation about the case's handling and possible involvement of Biden family members.The announcement comes amid reports suggesting that President Biden's then-Secret Service Director, Kimberly Cheatle, wanted to destroy the cocaine but faced resistance from within the agency.According to RealClearPolitics, Cheatle was reportedly frustrated when her request to dispose of the drug was opposed by subordinates who cited protocols requiring evidence to be retained for seven years."Cheatle was really pissed off" when her instructions were not followed, reported the New York Post.

QUESTION RAISED OVER AGENCY'S PROCEDURES

Two sources indicated that Cheatle, or someone acting on her behalf, contacted Matt White, the agency's forensics division vault supervisor, to request the disposal of the evidence.

However, the decision to keep the evidence was upheld by Secret Service forensics division chief Glenn Dennis and Uniformed Division acting chief Richard Macauley.Cheatle resigned as the head of the Secret Service after former President Trump was shot at during a Pennsylvania rally last month.

Indian-origin doctor in UK fakes assault to drop patient from surgery list

World A 58-year-old Indian-origin medical practitioner has been suspended for 12 months for fabricating an assault to frame a patient to remove him from his surgery list. Gurkirit Kalkat, who worked at Thames View Medical Centre in Dagenham, Essex, England, wanted to drop the patient due to a merger with another doctor's practice. He went to extreme lengths, including beating himself up and falsely claiming the patient had attacked him.The incident occurred when Kalkat called the patient in for an appointment, threw himself against the door, and hit himself in the chest while shouting, "Stop hitting me!"The patient, who had drug issues, sat in a chair and looked on in shock.Kalkat then pressed a panic button, and police officers arrived, taking the patient away in handcuffs.However, the investigation was dropped when Kalkat refused to proceed with a prosecution, reported the Daily Mail.Kalkat had previously lied to the patient about having terminal blood cancer to encourage him to register with another general practitioner (GP).He even paid £44,000 for the patient's rehabilitation treatment.

Kalkat was unable to explain why he was paying for the patient's treatment out of his own pocket, reported the Daily Mail.

PATIENT SECRETLY FILMED MEDICAL PRACTITIONER

During an earlier consultation, the patient secretly videoed Kalkat, a medical practitioner, as he falsely claimed he had six months to live and offered him a further £15,000 to leave the practice, reported the Daily Mail.

At the Medical Practitioners Tribunal Service in Manchester, Kalkat from Loughton, Essex, was suspended from practising medicine for 12 months after being found guilty of serious professional misconduct.The tribunal chairman, Stephen Killen, stated, "Dr Kalkat had been taking increasingly inappropriate, desperate and dishonest actions with a view to Patient A registering elsewhere. It was clear that, if Dr Kalkat reported Patient A for being violent towards him, he would no longer be required to act as his GP."

DOCTOR CLAIMED PATIENT THREATENED TO HARM HIM

Kalkat denied any wrongdoing and claimed the patient had demanded £15,000 and threatened to harm him and his family."It was clear that if Dr Kalkat reported Patient A for being violent towards him, he would no longer be required to act as his GP. Taking all the available evidence into account, it was more likely than not that Dr. Kalkat's report to police that Patient A had.

UK braces for fresh anti-immigration protests, thousands of riot police deployed

Far-right groups have planned demonstrations in more than 30 locations, with immigration lawyers and buildings hosting asylum seekers set to be the primary targets, according to posts on messaging app Telegram leaked to the British media.

London. Thousands of UK riot police on Wednesday stood ready to deal with more potential outbreaks of violence, which erupted more than a week ago after three children were murdered.Far-right groups have planned demonstrations in more than 30 locations, with immigration lawyers and buildings hosting asylum seekers set to be the primary targets, according to posts on messaging app Telegram leaked to the British media.The government has said 6,000 specialist police are being readied to deal with England's worst disorder in over a decade, which has seen hundreds arrested and more than 100 charged.The violence broke out after three girls, aged nine, seven and six, were killed and five more children critically injured during a knife attack at a Taylor Swift dance class in Southport, north west England.

False rumours initially spread on social media saying the attacker was a Muslim asylum seeker. The suspect was later identified as 17-year-old Axel Rudakubana, born in Wales. UK media reported that his parents are from Rwanda.Despite the police statement, initial disturbances in Southport centred around a local mosque, and widespread violence has rocked England and Northern Ireland since.Prime Minister Keir Starmer late Tuesday warned anyone involved would face "the full force of the law", including those inciting violence online.Starmer, a former chief state prosecutor, said he expected "substantive sentencing before the end of this week" for the rioters, after chairing his second emergency meeting in as many days on Tuesday."That should send a very powerful message to anybody involved, either directly or online," he added in televised comments.The unrest,

Britain's worst since the 2011 London riots, has led a number of countries to warn its citizens about the dangers of travelling in the United Kingdom.Rioting in several cities has seen demonstrators throw bricks and flares at police officers, burn cars and attack mosques and at least two hotels that have been used as accommodation for asylum seekers.Scores of alleged perpetrators were hauled before judges on Tuesday, with some entering guilty pleas.A 19-year-old man became the first person to receive a prison sentence related to the unrest when he received a two-month term Tuesday, PA Media reported.Another man was convicted after he admitted assaulting a police officer outside a hotel housing asylum seekers in Rotherham, northern England, on Sunday.A 15-year-old boy pleaded guilty to committing violent disorder in Liverpool on Saturday after he was identified from a TikTok video, while a man in Leeds admitted posting threatening words on Facebook to stir up racial hatred.The government, only one month old, has vowed to take a tough line on the unrest."99.9% of people across the country want their streets to be safe and to feel safe in their communities, and we will take all necessary action to bring the disorder to an end," Starmer said Tuesday.Justice minister Heidi Alexander told BBC Radio 4 that the government had freed up an extra 500 prison places.Police have blamed the disorder on people associated with the now-defunct English Defence League, a far-right Islamophobic organisation founded 15 years ago, whose supporters have been linked to football hooliganism.

The rallies have been advertised on far-right social media channels under the banner "Enough is enough".Interior minister Yvette Cooper said "there will be a reckoning" for perpetrators, adding that social media put a "rocket booster" under the violence.

NEWS BOX

Ukrainian wrestler and member of parliament has a goal for Paris: 'Show that Ukraine is still alive'

PARIS: Zhan Beleniuk's focus wavered at times as he trained in hopes of winning a second Olympic gold medal in Greco-Roman wrestling.The Ukrainian doesn't just represent his country in international competition. He's a member of parliament. And since Russia invaded Ukraine in 2022, well, it's been easy for his mind to drift.

"It's difficult because you are thinking about your safety, the safety of your relatives, your friends," Beleniuk said. "And you know, it's not comfortable training when some missiles are flying about your head. That's why it's difficult, it's dangerous. But it's our reality."Beleniuk, 33, said his team mostly trained in Ukraine before the Games, but it spent more time outside the country than usual, including places such as Croatia and Poland. He said other nations that normally would have trained some in Ukraine declined to for safety reasons.

Despite the extra challenges, Beleniuk, the first Black member of Ukraine's parliament, is now focused on competing. He feels he owes it to his country to come through.

"Our athletes should show that Ukraine is still alive," he said. "We still protect our land, we still do our job."Beleniuk, who won told at

Tokyo in 2021 and silver at Rio de Janeiro in 2016, said he still will be ready to go when the 87-kilogram category starts Wednesday at Champ-de-Mars Arena. He opens against China's Qian Haitao in a class with five wrestlers who have won world championships."It's huge competition there in my weight class. I know it, but it's not the first time for me," he said. "Because, this kind of weight class is good competition every time. I think my experience will give me an opportunity to show a good result."

Beleniuk is the son of a Ukrainian mother and a Rwandan father. His father died in the genocide against the Tutsi in Rwanda when Beleniuk was just 3 years old, but the son has maintained a connection with Africa. His primary government responsibility is youth and sport, but he said he also meets with other leaders — including from Africa — to drum up support and fight Russian propaganda."Our country gave me everything that I have now, so my responsibility in this tough period for our country.

Gautam Gambhir has given us lot of inputs: Sundar on facing Sri Lanka spinners

New Delhi. Washington Sundar said that head coach Gautam Gambhir has been working with the Indian team about facing Sri Lanka's quality spinners. The Men in Blue are currently 0-1 down and will have a chance to draw the series in the third and final ODI on Wednesday (August 7) at the R Premadasa Stadium in Colombo.In the first two ODIs, India found themselves in a position of command but suffered batting collapses during run-chases. The Sri Lankan spinners, especially Jeffrey Vandersay, Charith Asalanka and Wanindu Hasaranga have troubled have troubled the Indian

batters.Vandersay picked up six wickets in the second ODI and helped Sri Lanka win by 32 runs. Sundar said that Gambhir has been helping the Indian batters with his precious inputs, having earlier been a quality player of spin-bowling.

'We are prepared to be on top'

There have been a lot of inputs from [Gambhir]. He's a high-quality player of spin. We've always seen him putting up great performances on such wickets, especially against quality spin bowling. That's one of the reasons we came out here today to practice, to try and find a way to do those little things tactically. We are really prepared to be on top of the game in all aspects tomorrow," Sundar said in the pre-match press conference.

Sundar also admitted that India let the Sri Lankan batters off the hook in both the ODIs thus far. He said that if the bowlers become a little more confident, they can restrict their opposition to a low score in the final game.

"We'd love to get them out for 200 or less than that. We had them in that situation in both matches. With big tournaments coming up, we'll be in similar situations, and it's an opportunity for us to find a way to get the job done in crunch situations. We just need to put our hands up and win those critical situations in the game," Sundar added.Sundar has had an excellent series for India as he is their leading wicket-taker. In two games, Sundar has taken four wickets at an economy rate of four with a three-wicket haul to his name.

India lost Olympic gold: Nishant Dev unhappy with quarter-final result in Paris

Nishant Dev lost the quarter-final clash against Mexico's Marco Verde Alvarez in the 71kg category. He was unhappy with the decision taken by the umpires during the match as he suffered a loss in a split-decision.

Indian boxer Nishant Dev expressed his displeasure with the judgement of his quarter-final clash at the Paris Olympics 2024. A disappointed Nishant considered himself in contention for gold and suggested that India not only lost a bronze, but rather a bronze medal. The 23-year-old suffered a split-decision loss against Mexico's Marco Verde Alvarez in the 71kg category on August 3, Saturday. He was just one win away from assuring India another medal at the Paris Olympic Games. Nishant hoped that such things would not happen to any athlete.I am feeling very bad. India has lost not only a bronze but a gold medal, and I was seeing myself getting such a gold medal because I had defeated the person with whom I had a fight before and I had defeated him in this fight too but the point of view of the judges was different and I was not at all happy with their decision," Nishant told ANI.ishant's loss did not sit well with a certain section of users on social media as they claimed the umpiring was unfair and that India was "robbed-of" a medal. Nishant won the first round 4-1, and looked in complete control of the bout in the second round as well, where he landed a streak of massive jab hooks on the Mexican, yet the judges surprisingly sided with Alvarez in that round, putting him 3-2 ahead in the tie. The Indian boxer, who had defeated his Mexican counterpart earlier, lost the last round as well.

Nishant was aiming for gold

Nishant seemed dejected as he felt that 15 years of his blood, sweat and tears had come to a disappointing end."And I just don't have anything to say because the years of hard work that I had put in morning, evening, day and night for this Olympics, my boxing training of the last fifteen years, have seen it coming to a disappointing end here today. But it doesn't matter, the sadness inside me says that in the coming Olympics, such a thing should not happen to any athlete. Unless you are an athlete, no one can understand how much sorrow and pain you have inside you.""IOC should look at poor judging decisions"Nishant wanted the International Olympic Committee to intervene and look into the judging decisions."I would like the Olympics and the IOC to look at these poor judging decisions and take some action against them. First of all, I don't understand that if there are five judges. They are giving the decision and the first thing is that the boxer can do whatever he wants, the decision is in the hands of the referees and earlier the scoring was good given this time the scoring is disappointing."It is not known which athlete is winning, still these people do it in favor of the other opponent.If there is a judging scoring system of five-zero and a blue corner is winning a one-sided fight and it is still in its favor. One is coming and four are those who are going in favor of the red corner."Nishant was India's last hope for a boxing medal in men's category, but he suffered an agonizing loss."So I want ask, what is lacking in that judge that he is not able to see why he has been given each scoring, rather he was dominating the entire round, so I would like to know that.

SL vs IND: Rishabh Pant replaces KL Rahul, Riyan Parag to make ODI debut

India have made a couple of changes in their playing XI for the third ODI against Sri Lanka. Rishabh Pant and Riyan Parag have been brought into the team.

New Delhi. Sri Lanka captain Charith Asalanka won his third consecutive toss of the series and has opted to bat first in the third ODI against India on Wednesday, August 7 at R.Premadasa Stadium, Colombo. India made a couple of changes to their playing XI in a must-win encounter as they brought in Rishabh Pant and Riyan Parag in place of KL Rahul and Arshdeep Singh.It will be a return for Pant to ODI cricket after 20 months as he last played the 50-over format on November 30, 2022 against New Zealand. The southpaw has played 30 matches so far in his career and scored 865 runs at an average of 34.60 and a strike rate of 106.65. Pant will be replacing Rahul in the playing XI who registered scores of 31 (43) and 0 (2) in the two matches of the series so far.On the other hand, Riyan Parag will also be seen making his debut in ODIs after making his international debut in the recent T20I series against Zimbabwe. The spin all-rounder has been brought keeping in mind the spin-friendly surface in Colombo where part-timers like Charith Asalanka have been successful with the ball.Parag will be replacing Arshdeep Singh in the playing XI who has been quite expensive in the series so far. In the first two matches, the left-arm seamer registered figures of 2/47 (8 overs) and 0/58 (9 overs) in the two matches so far. Meanwhile, India will be eager to win the third ODI and avoid a rare series defeat against Sri Lanka. Notably, Sri Lanka last won an ODI series against India in 1997 and hence find themselves on the brink of history.India (Playing XI): Rohit Sharma(c), Shubman Gill, Virat Kohli, Rishabh Pant(w), Shreyas Iyer, Riyan Parag, Shivam Dube, Axar Patel, Washington Sundar, Kuldeep Yadav, Mohammed Siraj

Sri Lanka (Playing XI): Pathum Nissanka, Avishka Fernando, Kusal Mendis(w), Sadeera Samarawickrama, Charith Asalanka(c), Janith Liyanage, Kamindu Mendis, Dunith Wellalage, Maheesh Theekshana, Jeffrey Vandersay, Asitha Fernando

Vinesh Phogat hospitalised due to dehydration after Olympic disqualification: Sources

New DelhI Wrestler Vinesh Phogat was hospitalised on Wednesday, August 7 in Paris, minutes after she was disqualified from the women's 50kg final at the Paris Olympics. The Olympian fainted due to dehydration, sources have said. Vinesh Phogat was disqualified as she was 150 grams overweight during the weigh-in on the second day of the competition -- Wednesday. She was gearing up for the Olympic Gold medal bout, but missed the weigh-in.Currently, Vinesh is in the polyclinic of the Olympic Village, where she is stable and resting. Unfortunately, there is no recourse available for the Indian contingent to appeal the decision. Despite the best efforts of Vinesh, her coaches, and support staff, which included extreme measures like cutting her hair and trying to draw out blood, they could not achieve the desired results.

Prime Minister Narendra Modi spoke with IOA President P.T. Usha to get firsthand information on the issue and explore any options available to India following Vinesh's setback. According to UWW rules, "If an athlete does not attend or fails the weigh-in, he/she will be eliminated from the competition and ranked last without rank."Vinesh is the first athlete to be disqualified from her final for not making weight. She made history on Tuesday, August 6, 2024, by becoming the first Indian woman wrestler to reach the Olympic final after defeating Cuba's Yusneylis Guzman 5-0, thereby assuring a medal for India. "It is with regret that the Indian contingent shares news of the disqualification of Vinesh Phogat from the Women's Wrestling 50kg class. Despite the best efforts by the team through the night, she weighed in a few grams over 50kg this morning. No further comments will be made by the contingent at this time. The Indian team requests respect for Vinesh's privacy and would like to focus on the ongoing competitions," the Indian Olympic Association said in a statement.

Both Vinesh and Sakshi Malik have been prominent faces in the wrestlers' protest against alleged sexual harassment by the former Wrestling Federation of India leadership. Vinesh, who usually competed in the 53kg category, had to switch to the 50kg category to ensure her qualification for the Olympics."I will have to manage my weight a lot better. I have brought myself down to 50kg after so long, so I will try and maintain this as much as I can. It's not easy for me not to put on weight because my muscle mass is very high," Vinesh told PTI in April after securing the 50kg quota for India.Vinesh had previously faced heartbreaks at the Rio Olympics and Tokyo Games, where she was eliminated early despite being a

USA's artistic swimming team replicate Michael Jackson's moon walk underwater in Paris

- **USA's artistic swimming team replicate Michael Jackson's moonwalk**
- **Team USA wows fans with their tribute to the King of Pop Michael Jackson**
- **Fans were thrilled as Team USA perform moonwalk underwater**

New Delhi. Michael Jackson's moonwalk has always been iconic, which charmed everyone, with dancers across the world trying replicate the steps. However, one would not have imagined the iconic moonwalk could be done in the swimming pool as well. The USA Artistic Swimming team managed to do the unthinkable. They dazzled the fans by performing Michael Jackson's iconic moonwalk dance upside down while floating underwater. Soon, Olympic fans started raving about what they had just witnessed and the USA team went viral with their dance moves underwater.

The USA's artistic swimming team paid tribute to Michael Jackson with their technical routine. In fact, their outfits were also inspired by the King of Pop and danced to his 1987 hit "Smooth Criminal." They stole the show when the team flipped underwater and a did a few kicks before pulling off the iconic dance move with precision. The USA team managed to wow the fans with their creativity and synchronisation. In fact, many social media users also demanded a gold medal for the

Vinesh Phogat's all-night workout to meet Olympic final weight limit ends in vain

- **Vinesh Phogat worked out all night to compete in the gold medal event at Paris Olympics**
- **Vinesh Phogat did cycling, skipping and jogging overnight to shed extra kilos**
- **Vinesh lost 1.85kg overnight and was over-weight by 150 grams**

UPDATED. Vinesh Phogat fainted and had to be hospitalised due to dehydration at the Paris Olympics 2024. The 29-year-old Indian wrestler was disqualified from the 50kg freestyle final at the Olympic Games. Vinesh was found over-weighed by 150 grams during the weigh-ins and that led to her disqualification. It was learnt that Vinesh was found 2kg over-weight on the eve of her gold medal clash against the USA's Sarah Hildebrandt.Vinesh Phogat was determined and undeterred as she worked out the whole night to shed weight. She did skipping,

jogging, cycling and everything in her potential to lose 1.85kgs. Eventually, she fell short by just 150 grams, which led to a heartbreaking disqualification from the final round. The Indian wrestler worked out all night to shed those extra kilos, showcasing her determination towards bringing India Olympic glory. However, all this was not enough for her to be able to compete in a gold medal match.Phogat contested in the 53kg

category in the last two Olympics, in 2016 and 2020, which is her usual category. She had to shed her weight from 53kgs to 50kgs to participate in the Paris Olympics 2024. Debutant Antim Panghal had qualified in the 53kg category and that led to Vinesh Phogat cutting down her weight to book Olympic berth. Vinesh entered the contest unseeded in the category and registered three emphatic wins on August 6, Tuesday to seal an Olympic medal for India.

Why was Vinesh Phogat disqualified: Weigh-in rules explained

Vinesh disqualified from the Olympic final matchAccording to the rules, wrestlers must weigh in twice: once on the morning of the preliminary rounds and again on the morning of the final. On Tuesday morning, Vinesh was within the permissible 50kg limit. However, her weight likely increased throughout the day as she replenished herself after three bouts.

It is understood that she needed to lose about 2kg overnight. Vinesh was seen skipping in a sweatsuit last evening after her semifinal bout and reportedly worked on losing weight all night.

Amrutha Prem

Bags Filmfare Award For Best Debut In Tagaru Palya

Amrutha Prem recently bagged a Filmfare Award for her performance in the Kannada film Tagaru Palya. It was written and directed by debutant Umesh K Krupa. It was produced by Dhananjaya. Apart from Amrutha Prem, the film also starred Nagabhushana, Tara, Sharath Lohithaswa and Rangayana Raghu. Hailing from a celebrity background, the actress Amrutha Prem debuted with this film against her initial decision to not become the part of entertainment industry. The actress is the daughter of film 96 fame director C Prem Kumar. The actress bagged the Best Debut Actress award at Filmfare held on August 3. The actress posted her snaps from the event. After her remarkable performance in the Tagaru Palya, the fans of the actress are waiting for her next film.The internet is buzzing with the anticipation of the actress's next film. Amrutha Prem revealed that the announcement of her next film will be done soon. The actress said she went through several scripts before finalising her next venture. She also admitted that the expectations have increased from her by fans after she won the award. She has also assured her fans of working better in the next films. The actress also posted her snaps from the Filmfare event. She posed with her award.

As per media reports, the muhurat of the second film by Kannada actress Amrutha Prem was held a few months ago at Shri Bande Mahakali Temple located in Bengaluru, Karnataka. Many prominent guests including Amrutha's father and actor, Prem, attended the muhurat ceremony. It became one of the most special moments for the Tagaru Palya actress as the muhurat ceremony coincided with the birthday of her father Prem.On this joyous occasion, Prem wished Amrutha for her upcoming project. The 22-year-old actress interacted with the media as well and patiently answered the questions related to the cast and crew of the film. The title of the film, however, remains undisclosed. Tagaru Palya was released in October, 2023. The actress has not been seen in any film since then. Fans are eagerly waiting for the announcement of the film.

Alia Bhatt

Flaunts Denim Look, Waves At Paparazzi As She Gets Papped

Alia Bhatt never fails to impress all with her simplicity and style. On Tuesday afternoon too, the Bollywood actress was snapped by the paparazzi in Mumbai when she impressed everyone with her charming looks. Alia sported a green tank top and layered it with a blue denim jacket with matching jeans. She tied her hair into a small bun and looked dapper in black goggles. Alia was seen waving at the paparazzi as she also smiled for the cameras.Soon after the video was shared, fans rushed to the comments section to shower love on their favourite actress. "She looks pretty," one of the fans wrote. Several others dropped red-heart emojis. Check it out here:

Meanwhile, Alia is currently shooting for her Spy Universe movie – Alpha. Last month, it was reported that the actress is shooting for an action sequence with Bobby Deol for the movie. As reported by IANS, Alia and the film's antagonist, Bobby Deol are currently in Mumbai where they are shooting on a heavily guarded set in Film City."It is a ferocious action sequence. You can call it brutal. It is a no-holds-barred face-to-face action sequence between Alia Bhatt and Bobby Deol. There will be blood," a source cited by the news agency claimed.

Besides this, Alia will also be reuniting with her actor-husband Ranbir Kapoor for Sanjay Leela Bhansali's Love and War. The film also stars Vicky Kaushal in the lead. Earlier this year, in an exclusive interview with News18 Showsha, Alia talked about the film and her reunion with Ranbir when she said, "I, as an audience, am more excited to see him [Bhansali] and Ranbir collaborate, again, after so many years. I am like, 'wow, what's that going to be like?" Talking about reuniting with Vicky Kaushal, Alia continued by saying, "Vicky and I coming together again; Ranbir and Vicky created magic with Sanju. So, it is a lot of combinations."

Alia Bhatt also has Jigra with Vedang Raina in her pipeline. She will also be seen in Jee Lee Zara with Katrina Kaif and Priyanka Chopra. However, there is no update on the film's shoot schedule as of now.

Sushma Seth's Granddaughter Mihika Shah Passes Away, Mother Divya Seth Shares Heartbreaking Post

Actor Divya Seth Shah's daughter, Mihika Shah, passed away suddenly on Monday, August 5, in Mumbai. According to sources close to the family and reported by India Today, Mihika initially developed a fever, which was followed by a seizure. The family is devastated by the unexpected loss and has scheduled a prayer meeting for August 8.

Taking to her Facebook account, Divya Seth Shah shared a note that read, "With profound sorrow, we inform you of the passing of our beloved Mihika Shah, who left for her heavenly abode on August 5th, 2024 (sic)." According to the note, the prayer meet will be held at Sindh Colony Club House in Mumbai on August 8.

Just last week, Divya shared a touching Instagram post featuring three generations of her family. The photo showed her daughter, radiant in a green dress, alongside her mother, who looked elegant in red. The image beautifully reflected the deep love and strong connection between them.

Mihika would often share photos with her parents and grandmother, Sushma Seth. In April. she had taken to Instagram to share beautiful photos from her childhood with her mom Divya on her birthday. "When I look at you, I see the purest love I'll ever know, Every wounded soul finds their way to you, in your care they heal and grow, Divya, gods gift, my blessing from above,who's love is stronger than the eye can see, in 8.1 billion people on earth mama, your the perfect mother for me. Happy Birthday my Dibi, I love you," she had captioned the post.

Divya Seth has worked in films like Jab We Met, Dil Dhadakne Do and Article 370. Veteran actress Sushma Seth has played pivotal parts in films such as Dhadkan, Kal Ho Naa Ho, Kabhi Khushi Kabhie Gham and TV series, Dekh Bhai Dekh.

Jr NTR, Janhvi Kapoor's Sensual Devara Song Brutally Trolled: 'Ew, He Looks So Much Older Than Her'

Jr NTR and Janhvi Kapoor released their new song from Devara, titled Chuttamalle, and it has not gone down well with social media users. In the music video, Tarak was seen romancing Janhvi, who is 14 years younger than him. Intended to be a sensual love song, several social media users pointed out that it was awkward to watch the RRR star and the Ulajh actress in this form. A few even added the age difference between the two is very evident.

"This pair looks so odd. Age gap is jarring(Let's see if it's justified in movie). Jr.NTR looks so awkward and out of place," a Reddit user wrote while sharing the music video on the platform. "Please don't do this to Jr NTR," added another. "After "Natu natu" this feels like "Dont-do Dont-do" so ewwwwwwwww," a third comment read.

"He is probably just vvv uncomfortable, because he knows the age gap is huge and that should ideally make anyone uncomfortable," a fourth social media user said. "When will Indian movies grow out of this hip thrusting, waist close ups, fake grinding etc…. It's so cringe. When will we make good, sensible movies ," a user asked.

Chuttamalle is composed by Anirudh Ravichander. This is the film's second song. The film's first single, titled Fear Song, had already set the stage for high expectations. Producer Naga Vamsi had boldly claimed that it would surpass the popularity of Hukum, a hit track from the film Jailer, also composed by Anirudh.

Meanwhile, the action thriller film is getting ready to release on September 27. Written and directed by Koratala Siva, the film stars Jr NTR, Saif Ali Khan, Janhvi Kapoor, Shruti Marathe, Prakash Raj, Srikanth, Shine Tom Chacko and Narain. This marks Janhvi and Saif's first Telugu film. The film is produced by Sudhakar Mikkilineni and Kosaraju Harikrishna under the banners Yuvasudha Arts and NTR Arts. The film is divided into two parts.